शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 32 | गुवाहाटी | बुधवार, 2 सितंबर, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

नेपाल त्रासदी के बाद अब तक मिले 987 शव, 581 अज्ञात शव दफन किए गए पेज 2

हिंसा के बाद शिलांग में सामान्य स्थिति बहाल होने पर केंद्रीय बलों को ... पेज 3

एमएसपी समेत कई मांगों को लेकर मोहाली में किसानों का सात दिवसीय... पेज 5

मेसी के नाम हैं कई असाधारण रिकॉर्ड जिनका टूटना है असंभव पेज 7

गुवाहाटी में भूस्खलन से चार की मौत, एक ही परिवार के तीन लोग घर में जिंदा दफन

मठघरिया में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत पर शोक मनाते लोग।

सतगांव का भूस्खलन स्थल।

गुवाहाटी। मंगलवार को गुवाहाटी में बारिश की वजह से हुए अलग-अलग भूस्खलन (लैंडस्लाइड) में एक ही परिवार के तीन सदस्यों समेत चार लोगों की मौत हो गई। लगातार हो रही भारी बारिश ने एक बार फिर शहर की कमजोरी को उजागर कर दिया। मरने वालों में एक पति-पत्नी और उनकी नाबालिग बेटी शामिल हैं, जो सुबह करीब 7:30 बजे मठघरिया इलाके में उनके घर पर हुए भूस्खलन के दौरान मलबे में दब गए थे; उस समय परिवार सो रहा था। उनके बेटे को मलबे के नीचे से जिंदा बचा लिया गया। मृतकों की पहचान नागेन राजबंशी, उनकी पत्नी सोनू राजबंशी और उनकी बेटी मीना राजबंशी के तौर पर हुई है। उनका बेटा बिप्लब राजबंशी इस घटना में बच गया। पुलिस के मुताबिक, भूस्खलन के समय परिवार सो रहा था। शवों को मलबे के नीचे से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। घटना के बारे में बताते हुए बिप्लब ने कहा कि वह एक बिस्तर पर सो रहा था, जबकि उसके पिता, मां और बहन दूसरे बिस्तर पर थे। उसने कहा कि मैं सुबह करीब 6 बजे जागा था लेकिन फिर सो गया। कुछ देर बाद, मुझे जमीन हिलती हुई महसूस हुई। भूस्खलन की वजह से उनका दम घुट गया। मेरे जीजाजी और पड़ोसियों ने आकर मुझे बचाया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पीड़ित कई फीट मिट्टी के नीचे दबे हुए थे और शुरू में सिर्फ उनके पैर ही दिखाई दे रहे थे। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि हमने अपने हाथों से खुदाई की और शवों को बाहर निकाला। वे लगभग एक घंटे से दबे हुए थे। एक और निवासी ने बताया कि बचाव दल को मलबे के नीचे एक -शेष पृष्ठ दो पर

पहाड़ी इलाकों में रहने वालों को दूसरी जगह बसाएगी सरकार

गुवाहाटी। मठघरिया में जबरदस्त भूस्खलन के कुछ घंटों बाद, अधिकारियों ने मंगलवार को पीड़ित परिवार को बचाव और राहत कार्यों में पूरी मदद का -शेष पृष्ठ दो पर

एससीओ समिट में पीएम मोदी का सख्त संदेश

आतंकवाद के सुरक्षित पनाहगारों को पूरी तरह ध्वस्त करना ही होगा

नई दिल्ली। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित एससीओ शिखर सम्मेलन का मंच तैयार था। सामने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बैठे थे, आसपास रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग जैसी शख्सियतें मौजूद थीं। ठीक उसी सभागार में भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद पर कड़ा संदेश दिया। उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन जो कहा उसे वहां बैठा हर व्यक्ति समझ रहा था कि बात सीमा पार आतंकवाद को पनाह और समर्थन देने वाले किस देश की जा रही थी। मोदी ने सीमा पार आतंकवाद के समर्थकों को कठघरे में खड़ा करने की वैश्विक सहमति बनाने की अपील की और कहा कि आतंकवाद के सुरक्षित शरणस्थलों को हमें ध्वस्त करना होगा और आतंकवाद किसी की रणनीतिक संपत्ति नहीं बन सकता। एससीओ की 25वीं वर्षगांठ के इस मंच पर भारत ने इस संगठन को *सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर* के तीन स्तंभों के आधार पर आगे बढ़ाने की बात कही। पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद के वित्तपोषण, भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित ठिकानों के पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करना होगा। हमें एक स्वर में बोलना होगा कि इस गंभीर विषय पर दोहरे मापदंड के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। जो देश आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं और आतंकियों को पनाह व समर्थन देते हैं, उन्हें कड़ा संदेश देना होगा कि आतंकवाद किसी के लिए रणनीतिक संपत्ति नहीं हो सकता। कनेक्टिविटी पर बोलते हुए मोदी ने कहा कि साझा विकास का दूसरा आधार मजबूत और विश्वसनीय संपर्क है। भारत उन प्रयासों का समर्थन करता है जो बाजारों को जोड़ते हैं, व्यापार को आसान बनाते हैं और विकास के नए रास्ते खोलते हैं। लेकिन इन प्रयासों में सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान अत्यंत आवश्यक है। यही एससीओ चार्टर की मूल भावना भी है। यह टिप्पणी चीन की अगुवाई वाली उन परियोजनाओं की ओर संकेत है जिन पर भारत आपत्ति जताता रहा है, खासकर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में प्रस्तावित कनेक्टिविटी योजनाओं पर। मोदी ने कहा कि आगे कनेक्टिविटी सड़क, रेल और हवाई गलियारों तक सीमित नहीं रहेगी। सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना, डिजिटल दस्तावेजीकरण बढ़ाना और लाजिस्टिक्स नेटवर्क को अधिक कुशल बनाना -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अविनीत व्यक्ति को स्नेही होने पर भी मंत्रणा में नहीं रखना चाहिए।

- आचार्य चाणक्य

जीएमसीएच में रोबोटिक सर्जरी के लिए बनेगा *सेंटर ऑफ एक्सीलेंस*

असम सरकार और मेदांता के बीच एमओयू

गुवाहाटी। असम में एडवांस्ड सर्जिकल केयर को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, आज असम सरकार और ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड (मेदांता) के बीच गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच) में रोबोटिक सर्जरी के लिए एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) स्थापित करने और विकसित करने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने आईआईटी गुवाहाटी से राज्य के विकास में अपनी भूमिका को और व्यापक बनाने का आह्वान किया

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज आईआईटी गुवाहाटी से असम और पूरे पूर्वोत्तर के विकास में अपनी भूमिका को और व्यापक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता के साथ साथ उन्नत विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, आपदा प्रबंधन, शहरी विकास, कृषि और नई प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में आईआईटी गुवाहाटी का योगदान असम के साथ साथ पूरे पूर्वोत्तर के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। उत्तर गुवाहाटी स्थित संस्थान परिसर में आईआईटी गुवाहाटी के 33वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि आईआईटी गुवाहाटी का महत्व केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है। यह संस्थान असम और पूर्वोत्तर के लोगों की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाओं का प्रतीक भी है। उन्होंने स्मरण किया कि असम में आईआईटी की स्थापना की मांग असम समझौते के दौरान व्यक्त की गई प्रमुख आकांक्षाओं में शामिल थी। देश का पहला आईआईटी खड़गपुर में स्थापित होने के 43 वर्ष बाद 1994 में आईआईटी गुवाहाटी की स्थापना हुई। डॉ. शर्मा ने कहा कि आईआईटी गुवाहाटी के योगदान का वास्तविक मूल्यांकन केवल उसकी शैक्षणिक और अनुसंधान उपलब्धियों से नहीं, बल्कि इस बात से भी होना चाहिए कि वह असम और पूर्वोत्तर के सामने मौजूद जटिल चुनौतियों के समाधान के लिए अपने ज्ञान और अनुसंधान का कितना -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

एनसी हिल्स ऑटोनोमास काउंसिल का नाम बदला

हॉफलांग। एक आधिकारिक सूचना के अनुसार, असम में नॉर्थ कछार हिल्स ऑटोनोमास काउंसिल (एनसीएचएसी) का नाम बदलकर डिमा हसाओ ऑटोनोमास काउंसिल (डीएचएसी) कर दिया गया है। सोमवार को जारी आदेश में सभी विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे सभी -शेष पृष्ठ दो पर

मद्रास रेजिमेंट परिसर के सुरक्षित स्टोर रूम से हथियार गायब

हैदराबाद (हि.स.)। बोल्लारम के छावनी (केंटोनमेंट) क्षेत्र में स्थित मद्रास रेजिमेंट परिसर के एक सुरक्षित स्टोर रूम से सर्विस हथियार गायब पाए जाने के बाद सुरक्षा में एक बड़ी चूक सामने आई है। इसका खुलासा तब हुआ जब सेना के जवानों ने शस्त्रागार का निरीक्षण किया और उसका ताला व दरवाजा टूटा हुआ पाया। इसके बाद, सोमवार को बोल्लारम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। रक्षा प्रतिष्ठान की संवेदनशील -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को मिली जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। मंगलवार को फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज के केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान को डाक से आए एक पत्र के जरिए जान से मारने की धमकी मिली। पत्र में चेतावनी दी गई थी कि उन्हें जल्द ही कट्टर आतंकवादी मार डालेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, मंत्री के ऑफिस ने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को औपचारिक रूप से पत्र लिखकर गृह मंत्रालय को इस धमकी के बारे में जानकारी दी है और उचित कार्रवाई की मांग की है। खबरों के मुताबिक, यह -शेष पृष्ठ दो पर

स्नातक युवाओं को *जीवन प्रेरणा* योजना की राशि जारी, 48,188 लाभार्थियों को मिलेगा लाभ

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को स्नातक उत्तीर्ण युवाओं के लिए *मुख्यमंत्री जीवन प्रेरणा* योजना की राशि जारी की। राशि जारी करने के बाद संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के तहत नवस्नातकों को चार महीने की राशि एक साथ दी जा रही है। प्रत्येक लाभार्थी को प्रतिमाह 2,500 रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी। इस चरण में कुल 48,188 विद्यार्थियों को योजना का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद रोजगार या करियर के अगले चरण के लिए आर्थिक सहयोग देना है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में विश्वास और भरोसा सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने इस अवसर पर युवाओं के साथ एक प्रेरणादायक कहानी भी साझा की। मुख्यमंत्री ने *मुख्यमंत्री विदेशी भाषा प्रशिक्षण योजना* के तहत सीएम-फ्लाइट योजना की राशि भी जारी की। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से विश्वस्तरीय -शेष पृष्ठ दो पर

नीट प्रदर्शनकारियों को सुप्रीम राहत

शर्त के साथ सभी एफआईआर रद

नई दिल्ली। 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के बाद जिन छात्र प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर दर्ज की गई थीं, उन्हें बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर को रद कर दिया, सिवाय उन लोगों के जिनका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों -शेष पृष्ठ दो पर

पीपी पब्लिकेशन ने उठाया बाढ़ प्रभावित 12वीं कक्षा के छात्रों के पढ़ाई का बीड़ा

ऊपरी असम में प्रभावित शिक्षार्थियों के बीच बांटी जाएंगी गाइडबुक और नोटबुक

गुवाहाटी। पीपी पब्लिकेशन, गुवाहाटी की पहल पर, ऊपरी असम में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित 12वीं कक्षा के छात्रों को गाइडबुक और नोटबुक जैसी अध्ययन सामग्री बांटी जा रही है। इसका मकसद छात्रों की पढ़ाई की तैयारी में मदद करना है, ताकि आपदा के कारण उनकी पढ़ाई में कोई रुकावट न आए। यह पहल *बांग्ला साहित्य सभा, असम* ने *सेवा भारती पूर्वांचल, गुवाहाटी* के सहयोग से शुरू की है। इसका खास ध्यान उन छात्रों पर है जो अगले साल अपनी हायर सेकेंडरी परीक्षा में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। इस पहल -शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड : दिन में नौकरी के लिए बाहर जा सकेंगे कैदी, शाम को लौटना होगा वापस

रांची। झारखंड की जेल व्यवस्था अब केवल सजा और बंदीकरण तक सीमित नहीं रहेगी। राज्य सरकार एक ऐसी नई व्यवस्था लागू करने जा रही है, जिसमें चुनिंदा कैदियों को दिन के समय जेल से बाहर जाकर काम करने और शाम को वापस लौटने की अनुमति होगी। ओपन और सेमी-ओपन बैरक प्रणाली के रूप में शुरू की जा रही यह पहल कैदियों के पुनर्वास, आर्थिक आत्मनिर्भरता और समाज में उनकी पुनर्वापसी की दिशा में एक महत्वपूर्ण सुधार मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इस नई व्यवस्था के तहत पात्र कैदी सुबह करीब 6 या 7 बजे जेल से बाहर निकल सकेंगे और लगभग 12 घंटे तक बाहर रहकर काम कर सकेंगे। इसके बाद उन्हें शाम को वापस जेल लौटना होगा। यानी सजा जारी रहेगी, लेकिन अच्छे आचरण वाले कैदियों को नियंत्रित और जिम्मेदार तरीके से बाहरी दुनिया से जुड़ने का अवसर मिलेगा। शुरुआती चरण में यह व्यवस्था राज्य की चार केंद्रीय जेलों में लागू की जाएगी। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

नेपाल त्रासदी के बाद अब तक मिले 987 शव, 581 अज्ञात शव दफन किए गए

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल में आई बाढ़ के बाद अब तक 987 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। हालांकि, बड़ी संख्या में शवों की पहचान नहीं हो पाने के कारण उन्हें जमीन में दफन किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार मंगलवार सुबह तक 987 शव बरामद किए गए हैं। सबसे अधिक 321 शव चितवन में मिले हैं, जिनमें विभिन्न मानव अंग भी शामिल हैं। इनमें से अधिकांश शव ऐसी स्थिति में हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल है। इसके अलावा रसुवा में 27, नुवाकोट में 95, धादिङ में 55, गोरखा में 65, तनहुं में 38, नवलपरासी पूर्व में 216 और नवलपरासी पश्चिम में 170 शव बरामद किए गए हैं। इनमें से मंगलवार सुबह तक केवल 56 शवों की पहचान हो सकी है और उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। बाकी शवों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार पहचान नहीं हो पाने वाले 581 शवों को जमीन में दफन किया जा चुका है। चितवन, नवलपरासी, नुवाकोट, कास्की समेत विभिन्न जिलों में दफन किए गए शवों में से 262 शवों के बारे में यह भी पता नहीं चल सका है कि वे महिला के हैं या पुरुष के। बरामद किए गए 121 शव पुरुषों और 198 शव महिलाओं के बताए गए हैं। सबसे अधिक शव चितवन में दफन किए गए हैं। पुलिस के अनुसार यहां 280 शवों को जमीन में दफन किया गया है। चितवन में मिले 321 शवों में से केवल 12 की पहचान हो सकी है और इन सभी को उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। चितवन पुलिस ने बताया कि बाकी शवों की पहचान नहीं होने पर उन्हें भी दफन किया जाएगा। इसी तरह नवलपरासी पूर्व में 159 शव और कास्की में 78 शव दफन किए गए हैं। बरामद होने के बाद तत्काल पोखरा ले जाए गए शवों की पहचान नहीं हो सकी, जिसके बाद उन्हें जमीन में दफन किया गया।

भारत-पाकिस्तान सीमा के पास पुल से गिरकर बीएसएफ के एएसआई की मौत

फाजिल्का (हि.स.)। भारत-पाकिस्तान सीमा के पास फाजिल्का के गांव नूरशाह के नजदीक पुल से गिरकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) लखा सिंह की मौत हो गई। बीएसएफ की 19वीं बटालियन में तैनात एएसआई ड्रेन के पुल पर नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध वाहनों की जांच कर रहे थे। बीएसएफ के अनुसार ड्रेन के पुल पर नाकाबंदी के दौरान आने-जाने वाले संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान मोगा जिले के निवासी एएसआई लखा सिंह एक वाहन को रोककर उसकी तलाशी ले रहे थे। पुल के एक तरफ रेलिंग नहीं होने के कारण जांच के दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे पुल से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद बीएसएफ के जवानों ने तुरंत उन्हें बाहर निकाला और फाजिल्का के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने पुल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। गांव निवासी जागीर सिंह और अन्य लोगों के मुताबिक ड्रेन के इस पुल के एक तरफ लंबे समय से रेलिंग नहीं है। इसके चलते यहां लगातार हादसे का खतरा बना रहता है। सरकारी अस्पताल के डॉक्टर प्रतीक ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया गया है। मामले की सूचना संबंधित थाने को दे दी गई है। डॉक्टर के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्राज्यीय कार चोरी गिरोह का भंडाफोड़, नौ गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में बशिष्ठ पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय कार चोरी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो कथित मास्टरमाइंड समेत कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य कथित तौर पर *मास्टर की* का इस्तेमाल कर वाहनों की चोरी करते थे। बशिष्ठ पुलिस ने अभियान चलाकर नौ सदस्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर चोरी किए गए वाहनों का पता लगाने के साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है। मामले में आगे की जांच जारी है। उधर गुवाहाटी के बाहरी इलाके में हुए सड़क हादसे में एक बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को सोनापुर थाना क्षेत्र के पाटरकूची इलाके में एक बाइक के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसकी वजह से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान लखीमपुर के महबूब आलम के रूप में की गई है। घटना के समय महबूब बाइक से सोनपुर से गुवाहाटी की ओर आ रहे थे, इसी दौरान उसकी बाइक अनियंत्रित होकर राष्ट्रीय राजमार्ग 27 के किनारे लगाए गए रेलिंग से जा टकरायी।

वाराणसी में स्वाइन फ्लू के दस मरीजों की पुष्टि

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के सर सुंदरलाल चिकित्सालय में आरटीपीसीआर जांच के बाद रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर 10 लोगों में एच वन एन वन (स्वाइन फ्लू) की पुष्टि हुई है। यह जानकारी चिकित्सा अधीक्षक प्रो.पुनीत कुमार ने मंगलवार को दी। उन्होंने इस संबंध में आगे बताया कि स्वाइन फ्लू के इन सभी 10 मरीजों को चिकित्सालय में भर्ती किया गया है। मरीजों को प्रारंभिक उपचार दे दिया गया है और सभी की हालत ठीक है। चिकित्सा अधीक्षक ने कहा कि स्वाइन फ्लू से पीड़ित सभी मरीजों का डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ के सदस्यों की एक टीम निरंतर देखभाल कर रही है। उन्होंने बताया कि चिकित्सालय में स्वाइन फ्लू से संबंधित सभी जांच और उपचार की पूर्ण सुविधा उपलब्ध है, इस कारण दूसरे जनपदों व राज्यों से भी मरीज यहां उपचार के लिए आ रहे हैं। अभी आजमगढ़ के तीन मरीज भर्ती कराए गए हैं, जिन्हें स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है।

असम : भीषण सड़क हादसा, तालाब में गिरी स्विफ्ट कार; दो की मौत

शोणितपुर (हिंस)। असम के जामुगुड़ीहाट के कुसुमटोला में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। चार लेन वाली सड़क से एक स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर गहरे तालाब में जा गिरी। हादसे में कार के अंदर फंसे दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। हादसे के कारणों और मृतकों की पहचान के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

जयपुर निगम चुनाव में बदले समीकरण : कहीं नामांकन खारिज तो कहीं प्रत्याशी ने नहीं भरा पर्चा

जयपुर (हिंस)। जयपुर नगर निगम चुनाव-2026 में नामांकन पत्रों की जांच के बाद कई वार्डों में चुनावी समीकरण बदल गए हैं। जहां वार्ड 111 से कांग्रेस प्रत्याशी ज्वाला प्रसाद का नामांकन खारिज हो गया, जबकि वार्ड 146 में भाजपा की ओर से घोषित प्रत्याशी अफसाना ने नामांकन ही दाखिल नहीं किया। इसके चलते इस वार्ड में भाजपा का अधिकृत प्रत्याशी मैदान में नहीं है। वहीं वार्ड 98 में टिकट वितरण को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी प्रदेश कार्यालय के बाहर प्रदर्शन के रूप में सामने आई। वार्ड 111 से कांग्रेस प्रत्याशी ज्वाला प्रसाद का नामांकन जांच के दौरान निरस्त किया गया। रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष हुई स्क्रूटनी में सामने आया कि उनके खिलाफ ऐसा आपराधिक प्रकरण विचाराधीन है, जिसमें पांच साल से अधिक सजा का प्रावधान है। न्यायालय इस मामले में संज्ञान ले चुका है और 29 अगस्त 2024 को ज्वाला प्रसाद के खिलाफ आरोप तय किए जा चुके हैं। इसी आधार पर उनका नामांकन निरस्त किया गया। इससे कांग्रेस की वार्ड 111 की चुनावी रणनीति को झटका लगा है। वार्ड 146 में भाजपा की ओर से जारी प्रत्याशी सूची में अफसाना का नाम था, लेकिन उन्होंने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब इस वार्ड में भाजपा का कोई अधिकृत प्रत्याशी नहीं है। कांग्रेस ने यहां अफरोज को प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में वार्ड 146 का मुकाबला पूरी तरह बदल गया है। टिकट वितरण को लेकर भाजपा में भी असंतोष सामने आया। सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 98 के कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर सुभाष सिंघी को टिकट देने का विरोध किया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि लंबे समय से सक्रिय कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया गया, जो पहले वार्ड की गतिविधियों में सक्रिय नहीं रहे।

पृष्ठ एक का शेष

गुवाहाटी में भूस्खलन ...

कमरे के अवशेष दिखे और उन्होंने उस जगह खुदाई शुरू कर दी। निवासी ने कहा कि हमने उस जगह खुदाई की और शव मिल गए। बेटा उतनी गहराई में नहीं दबा था और बाहर निकलने में कामयाब रहा। पूरा घर दब गया था और उन्हें निकालने के लिए हमने लगभग पांच से छह फीट खुदाई की। घटना के बाद मौके पर पुलिस और बचाव दल तैनात किए गए। इसी बीच, उसी दिन सतगांव में एक और भूस्खलन की खबर मिली, जहां पहाड़ी से एक घर पर पत्थर गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान पी. सुमित्रा के तौर पर हुई। घटना के समय घर के अंदर मौजूद चार अन्य लोग सुरक्षित बताए गए। ये घटनाएं शहर के अलग-अलग हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन की खबरों के बीच सामने आई हैं। हाल की रिपोर्टों के मुताबिक, गुवाहाटी में 366 जगहों को आधिकारिक तौर पर भूस्खलन के लिहाज से संवेदनशील माना गया है। इनमें सबसे ज़्यादा संवेदनशील जगहें सुनसाली हिल (77) में हैं, इसके बाद नूनमती (40), खारगुली (37), खानापाड़ा (33), नारंगी (31) और हैंग्राबाड़ी (30) का नंबर आता है। शहर में भूस्खलन के खतरे को लेकर बढ़ती जागरूकता के बावजूद, पहाड़ी इलाकों के नाजुक इकोसिस्टम में बेरोकटोक शहरी विस्तार ने इस जोखिम को और बढ़ा दिया है।

पहाड़ी इलाकों में रहने ...

भरोसा दिया। सरकार ने मुआवजा देने और पहाड़ी इलाकों में खतरनाक जगहों पर रह रहे लोगों को दूसरी जगह बसाने का भी वादा किया। प्रभावित इलाके का दौरा करने वाले डिमोरिया के विधायक तपन दास ने कहा कि सरकार पीड़ित परिवार को मुआवजा देगी और पहाड़ी ढलानों पर खतरनाक हालात में रह रहे लोगों को दूसरी जगह बसाने के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार प्रभावित परिवार के लिए मुआवजे का एलान करेगी। हम अब पहाड़ी पर खतरनाक हालात में रह रहे लोगों को नीचे लाएंगे और उनके रहने के लिए नीचे इंतजाम करेंगे। गुवाहाटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएमसी) के कमिश्नर चिन्मय प्रकाश फूकन, जिन्होंने जानलेवा भूस्खलन वाली जगह का दौरा किया, ने कहा कि नगर निकाय बचाव और राहत कार्यों में मदद के लिए जिला प्रशासन और बिजली विभाग के साथ मिलकर काम करेगा। उन्होंने कहा कि कमिश्नर के तौर पर, मैं इस स्थिति को देखकर बहुत दुखी हूं। मैंने उस जगह का दौरा किया और परिवार के प्रति अपनी संवेदना जाहिर की। हमने जिला अधिकारियों और बिजली विभाग को भरोसा दिलाया है कि हम बचाव कार्यों में पूरा सहयोग और मदद देंगे। मालूम हो कि हालिया रिपोर्टों के अनुसार, शहर भर में 366 जगहों को आधिकारिक तौर पर भूस्खलन की आशंका वाली जगहों के रूप में चिह्नित किया गया है। सूनसाली हिल में सबसे ज्यादा 77 संवेदनशील जगहें हैं, इसके बाद नूनमाटी में 40, खारगुली में 37, खानापाड़ा में 33, नारंगी में 31 और हैंग्राबाड़ी में 30 जगहें हैं।

आतंकवाद के सुरक्षित...

भी जरूरी होगा। बताते चलें कि भारत भी एससीओ के देशों के बीच दो अहम कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर काम कर रहा है। वैश्विक संघर्षों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की जुड़ी हुई दुनिया में सुरक्षा की परिधि और व्यापक हो चुकी है। पश्चिम एशिया के संकट ने दिखाया है कि किसी एक क्षेत्र का संघर्ष वहीं तक सीमित नहीं रहता। उसका असर पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पड़ता है। सबसे अधिक खामियाजा ग्लोबल साउथ के देशों को भुगतना पड़ता है। इसलिए भारत का आह्वान रहा है कि सभी तनावों और युद्धों का समाधान युद्ध के मैदान पर नहीं, संवाद और कूटनीति से ही संभव है। उन्होंने अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता के लिए सतत विकास सहायता व मानवीय सहयोग की बात भी कही। इसी मंच पर बाद में शहबाज शरीफ ने भी भाषण दिया। उन्होंने भी भारत का नाम लिए बिना सिंधु जल समझौते के संदर्भ में निशाना साधा।

जीएमसीएच में रोबोटिक ...

एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल जीएमसीएच को एक आधुनिक, अत्याधुनिक मेगा हॉस्पिटल में बदलने की चल रही कोशिशों का हिस्सा है, ताकि असम के लोगों को बेहतरीन हेल्थकेयर सेवाएं दी जा सकें। यह असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के विजन को दर्शाता है, जिसे चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान मंत्री अशोक सिंघल पूरी प्रतिबद्धता और लगन के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। यह साझेदारी ट्रेनिंग, क्षमता निर्माण, ज्ञान के आदान-प्रदान और क्लिनिकल विशेषज्ञता के जरिए जीएमसीएच को मजबूत करेगी, जबकि मेदांता नई तकनीकों और सबूत-आधारित तरीकों पर सलाह और सहायता प्रदान करेगा। पहले कदम के तौर पर, 30 दिनों के भीतर विस्तृत कार्यान्वयन योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। संयुक्त निगरानी और गुणवत्ता आश्वासन के साथ, यह एमओयू जीएमसीएच को रोबोटिक सर्जरी के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा और कई विभागों में एडवांस्ड प्रक्रियाओं का विस्तार करेगा। असम सरकार की ओर से, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग के कमिश्नर और सचिव, डॉ. सिद्धार्थ सिंह (आईएएस) ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड (मेदांता) का प्रतिनिधित्व बिस्वजीत डेका (डीजीएम मार्केटिंग), जयंत कलिता (एजीएम मार्केटिंग) और रोहन अब्राहम (नॉर्थईस्ट इंडिया स्ट्रैटेजी) ने किया।

मुख्यमंत्री ने आईआईटी गुवाहाटी ...

प्रभावी उपयोग करता है। उन्होंने विशेष रूप से उन्नत विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, आपदा प्रबंधन, शहरी विकास, कृषि और नई प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने असम सरकार और आईआईटी गुवाहाटी के बीच चल रहे सहयोग का उल्लेख करते हुए असम एडवांस्ड हेल्थकेयर इनोवेशन इंस्टीट्यूट, लो फील्ड एमआरआई, सर्जिकल रोबोटिक्स और पौध आधारित चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान, सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए कौशल विकास, ड्रोन के माध्यम से बाढ़ प्रबंधन तथा महिला उद्यमियों के लिए ऋण की संभावनाओं का आकलन करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग जैसी पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि असम में विशेष रूप से सेमीकंडक्टर और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में नए उद्योगों के विकास के साथ रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इन अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए मानव संसाधन के विकास पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारे युवा केवल नए उद्योगों को यहां आते हुए न देखें, बल्कि इन उद्योगों से बनने वाली ज्ञान, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखलाओं का सक्रिय हिस्सा बनें। सतत और संतुलित विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए डॉ. शर्मा ने आईआईटी गुवाहाटी से बाढ़ से सुरक्षित बुनियादी ढांचे, वैज्ञानिक नदी प्रबंधन, जलवायु के अनुरूप कृषि, समय रहते चेतावनी देने वाली प्रणालियों और बेहतर शहरी नियोजन के क्षेत्र में अपना योगदान बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी और राज्य के अन्य तेजी से विकसित हो रहे शहरों के लिए यातायात व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, जल निकासी, कचरा प्रबंधन, ऊर्जा की बचत और जलवायु संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक और व्यावहारिक समाधान आवश्यक होंगे। मुख्यमंत्री ने असम के भविष्य को *चाय, वृक्ष और प्रौद्योगिकी* के मेल से आगे बढ़ाने की अपनी परिकल्पना भी सामने रखी। उन्होंने कहा कि *चाय* असम की स्थापित आर्थिक शक्ति और पहचान का प्रतीक है, *वृक्ष* हमारी प्राकृतिक संपदा और जैव विविधता का और *प्रौद्योगिकी* ज्ञान, नवाचार और उन्नत विनिर्माण से पैदा होने वाली नई संभावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने आईआईटी गुवाहाटी, राज्य सरकार, उद्योग जगत, स्टार्टअप, विश्वविद्यालयों, नागरिक समाज और संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों के बीच सहयोग को और मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब भी असम के सामने कोई जटिल तकनीकी या विकास संबंधी चुनौती आए, आईआईटी गुवाहाटी को उसका समाधान तलाशने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि असम सरकार आईआईटी गुवाहाटी के विद्यार्थियों के लिए 100 छात्रवृत्तियां प्रदान करेगी। उन्होंने आईआईटी गुवाहाटी के निदेशक से इस छात्रवृत्ति कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने का अनुरोध किया, ताकि इस पहल को शीघ्र लागू किया जा सके। डॉ. शर्मा ने कहा कि आईआईटी गुवाहाटी की यात्रा यह साबित करती है कि देर से शुरुआत किसी राज्य या संस्था की प्रगति की सीमा तय नहीं करती। उन्होंने कहा कि हमारे सामने केवल पिछड़ापन दूर करने का लक्ष्य नहीं है। हमें ऐसे संस्थानों और क्षमताओं का निर्माण करना है, जो असम को अधिक आत्मविश्वास और अधिक गति के साथ आगे बढ़ने में सक्षम बनाएं। आईआईटी गुवाहाटी के स्थापना दिवस पर पूरे संस्थान परिवार को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आईआईटी गुवाहाटी आने वाले वर्षों में असम, पूर्वोत्तर और देश के विकास में अपनी भूमिका को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि संस्थान की आने वाली यात्रा केवल शैक्षणिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में लाए गए सकारात्मक बदलाव से भी पहचानी जानी चाहिए। इस अवसर पर आईआईटी गुवाहाटी के निदेशक प्रो. देवेंद्र जलीहाल, संस्थान के पूर्व निदेशक, संकाय सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री चिराग ...

चिट्ठी मंत्री के ऑफिस को मिल गई है और जरूरी सुरक्षा इंतजामों और जांच के लिए इसकी जानकारी गृह मंत्रालय को दे दी गई है। चिट्ठी भेजने वाले या उसके स्रोत के बारे में फिलहाल कोई और जानकारी नहीं मिल पाई है। उन्हें डाक से जो पत्र मिला, उसे भेजने वाले के बारे में जानकारी, उसे कहां से पोस्ट किया गया था और क्या इस धमकी का संबंध किसी ज्ञात व्यक्ति या संगठन से है - इन बातों का अभी तक खुलासा नहीं किया गया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पत्र की सामग्री और उपलब्ध अन्य सबूतों की जांच करके धमकी की विश्वसनीयता और उसके स्रोत का पता लगाने की उम्मीद है। यह पहली बार नहीं है जब पासवान को ऐसी धमकी मिली है। इससे पहले जुलाई 2025 में, जब उनकी पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया था, तो उन्हें सोशल मीडिया के जरिए जान से मारने की धमकी मिली थी। बताया जाता है कि यह धमकी एक इंस्टाग्राम अकाउंट से दी गई थी, जिसके बाद एलजेपी(आर) के एक प्रवक्ता ने पटना साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। राजनीतिक नेताओं को मिल रही धमकियों के सिलसिले में यह ताजा मामला सामने आया है। इससे पहले अगस्त में, एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी ने रोहित गोदारा गैंग के एक सदस्य से जान से मारने की धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस से संपर्क किया था।

स्नातक युवाओं को ...

मानव संसाधन तैयार करने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जापानी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रत्येक चयनित उम्मीदवार को एक लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। प्रशिक्षण पूरा कर रोजगार प्राप्त करने के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को 50 हजार रुपए का अतिरिक्त अनुदान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शिवसागर, चराइदेउ और जोरहाट जिलों के उन बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए अंतरिम बाढ़ सहायता की पहली किस्त भी जारी की, जिन्हें पूर्व में सहायता नहीं मिल सकी थी। मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से 16,746 परिवारों को 15-15 हजार रुपए की सहायता प्रदान की। इसके साथ ही राज्य में अंतरिम बाढ़ सहायता से लाभान्वित परिवारों की कुल संख्या बढ़कर 1,17,095 हो गई है।

शर्त के साथ सभी ...

में छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी मामले रद माने जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस बड़े कदम के बाद, सीजेपी ने दिल्ली में 5 सितंबर को होने वाले अपने प्रस्तावित मार्च को रद कर दिया। कोर्ट का यह आदेश केंद्र सरकार के उस आश्वासन के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि 20 जुलाई के सीजेपी विरोध प्रदर्शन को लेकर प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मामले वापस ले लिए जाएंगे और भविष्य में इस विरोध प्रदर्शन को लेकर कोई नया मामला दर्ज नहीं किया जाएगा। हालांकि, कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल 2,873 लोगों में से कुछ के खिलाफ एक एफआईआर पर आगे बढ़ने की अनुमति दी है, क्योंकि उनका आपराधिक रिकॉर्ड गंभीर रहा है। सुनवाई के बाद दास ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत किया, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठाया कि आखिर इन *खूंखार अपराधियों* को समाज में खुलेआम घूमने की इजाजत क्यों दी गई। पत्रकारों से बात करते हुए दास ने कहा कि दिल्ली पुलिस की फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी के आधार पर विरोध वाली जगह पर लगभग 2800 कथित खूंखार अपराधी मौजूद थे, हमने सरकार के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही थी कि अगर ये 2,800 खूंखार अपराधी सचमुच वहां मौजूद थे, तो पहला सवाल यह उठता है कि आखिर वे समाज में खुलेआम कैसे घूम रहे थे? भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार, बिहार, असम, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र राज्यों ने छात्रों के विरोध-प्रदर्शन से जुड़ी एफआईआर को रद करने के लिए अर्जी दाखिल की है। साथ ही, उन्होंने भरोसा दिलाया कि 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच विरोध-प्रदर्शन से जुड़ी घटनाओं के लिए भविष्य में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी। मेहता ने कहा कि ये अर्जियां 25 जुलाई को सीजेपी नेताओं को केंद्र द्वारा दिए गए भरोसे को पूरा करने के लिए दाखिल की गई हैं। कोर्ट में बहस के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अगर दोनों पक्ष एक-दूसरे से भरोसे के साथ बात करें तो इस मुद्दे को सुलझाया जा सकता है। इस पर मेहता ने जवाब दिया कि दोनों पक्षों ने इस मामले को सकारात्मक तरीके से देखा है। उन्होंने कहा कि हम दुश्मन नहीं हैं।

पीपी पब्लिकेशन ने उठाया...

के तहत, बाढ़ से प्रभावित छात्रों को असमिया और अंग्रेजी माध्यम में अलग-अलग विषयों की लगभग 6,000 गाइडबुक और करीब 2,500 नोटबुक मुफ्त दी जा रही हैं। ये अध्ययन सामग्री खास तौर पर बाढ़ से प्रभावित छात्रों में बांटने के लिए चुनी गई हैं। इस पहल के बारे में बात करते हुए, पीपी पब्लिकेशन के मालिक प्रणब रॉय ने कहा कि यह कार्यक्रम उन छात्रों को तुरंत पढ़ाई में मदद देने के लिए शुरू किया गया है जिनकी पढ़ाई बाढ़ के कारण प्रभावित हुई थी। रॉय ने कहा कि आज हम यहां असम में बाढ़ से प्रभावित छात्रों, खासकर 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले और अगले साल हायर सेकेंडरी परीक्षा देने वाले छात्रों को कुछ अध्ययन सामग्री देने के लिए इकट्ठा हुए हैं। हम उन्हें किताबें, खासकर गाइडबुक और नोटबुक दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल बांग्ला साहित्य सभा, असम और सेवा भारती की पूर्वांचल शाखा के सहयोग से संभव हो पाई है। इन संगठनों ने प्रभावित छात्रों के बीच सामग्री के समन्वय और वितरण की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने आगे कहा कि हम आर्ट्स और साइंस स्ट्रीम के लिए असमिया और अंग्रेजी माध्यम में अलग-अलग विषयों की लगभग 6,000 गाइडबुक दे रहे हैं। हम लगभग 2,500 नोटबुक भी मुफ्त बांट रहे हैं। हमें उम्मीद है कि यह सामग्री असम के बाढ़ प्रभावित छात्रों के लिए मददगार साबित होगी और उनकी पढ़ाई में सहयोग करेगी। कॉटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और असम की बांग्ला साहित्य सभा के सेक्रेटरी डॉ. प्रशांत चक्रवर्ती ने कहा कि यह पहल ऊपरी असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में छात्रों को जरूरी शैक्षिक मदद पहुंचाने के मकसद से शुरू की गई थी। चक्रवर्ती के अनुसार, यह पब्लिशिंग पहल असम की बांग्ला साहित्य सभा के सलाहकार और संरक्षक बिस्वजीत सेनगुप्ता के सहयोग से शुरू की गई थी, जिसमें पी.पी. पब्लिकेशन ने 12वीं कक्षा के आर्ट्स और साइंस स्ट्रीम के छात्रों के लिए असमिया और अंग्रेजी में सप्लीमेंट्री स्टडी मटीरियल तैयार किया। चक्रवर्ती ने कहा कि असम के जाने-माने पब्लिशिंग हाउस पी.पी. पब्लिकेशन और हमारी बांग्ला साहित्य सभा, असम के सलाहकार और संरक्षक बिस्वजीत सेनगुप्ता की पहल पर, ऊपरी असम में बाढ़ से प्रभावित छात्रों के लिए स्टडी मटीरियल तैयार किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि पी.पी. पब्लिकेशन ने 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए गाइड बुक्स और उनकी पढ़ाई में मदद के लिए 2,500 नोटबुक भी छापी हैं। चक्रवर्ती ने यह भी कहा कि जब संगठन के भीतर इस प्रस्ताव पर चर्चा हुई, तो जरूरतमंद छात्रों तक मटीरियल पहुंचाने के लिए सेवा भारती को एक सही पार्टनर के तौर पर चुना गया। उन्होंने कहा कि हमें लगा कि सेवा भारती समाज और देश की सेवा के लिए समर्पित संगठन है। हमें लगा कि ऊपरी असम के बाढ़ प्रभावित छात्रों के बीच इन गाइड बुक्स और नोटबुक को बांटने के लिए सेवा भारती का सहयोग लेने से बेहतर और कोई सार्थक काम नहीं हो सकता। उन्होंने सेवा भारती के रिजु दत्त और असम पब्लिकेशन बोर्ड के प्रमोद कलिता के तालमेल बिठाने के प्रयासों की भी सराहना की, जिन्होंने इस पहल को आगे बढ़ाने और इसमें शामिल संगठनों को एक साथ लाने में मदद की।

झारखंड : दिन में नौकरी ...

इनमें रांची की बिरसा मुंडा केंद्रीय जेल, हजारीबाग की जयप्रकाश नारायण केंद्रीय जेल, पूर्वी सिंहभूम की घाघीडीह केंद्रीय जेल और दुमका केंद्रीय जेल शामिल हैं। इन जेलों में पहले ही ऐसे बैरक और सेल चिह्नित किए जा चुके हैं, जिन्हें ओपन या सेमी-ओपन सुविधाओं में बदला जा सकता है। राज्य सरकार का मानना है कि इन चार जेलों के शहरी क्षेत्रों में स्थित होने से योजना को व्यावहारिक सफलता मिल सकती है। शहरों में रोजगार और आजीविका के अवसर अपेक्षाकृत अधिक होते हैं। ऐसे में पात्र कैदियों को काम खोजने और मेहनत के जरिए आय अर्जित करने का बेहतर मौका मिल सकेगा। हालांकि, यह सुविधा हर कैदी के लिए नहीं होगी। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि योजना में शामिल होने के लिए कैदियों को तय पात्रता मानकों पर खरा उतरना होगा। जेल प्रशासन इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया यानी एसओपी तैयार करेगा। कैदी का अच्छा व्यवहार, जेल के नियमों का पालन और अनुशासन योजना में चयन के महत्वपूर्ण आधार होंगे। हम आपको बता दें कि इस व्यवस्था का मूल विचार उन कैदियों को अवसर देना है, जिन्होंने अपने व्यवहार से जिम्मेदारी और सुधार की क्षमता दिखाई है। ऐसे कैदियों को एक नियंत्रित माहौल में बाहर काम करने का मौका मिलेगा, ताकि वे धीरे-धीरे सामान्य सामाजिक जीवन से फिर जुड़ सकें। साथ ही, वे अपनी सजा भी पूरी करते रहेंगे। झारखंड के जेल महानिरीक्षक सुदर्शन मंडल के अनुसार, पात्र कैदी सुबह करीब 6 या 7 बजे जेल से बाहर जा सकेंगे और लगभग 12 घंटे बाद वापस लौटेंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि जिन जेलों को इस योजना के लिए चुना गया है, वे शहरी केंद्रों में स्थित हैं, इसलिए कैदियों के पास आजीविका कमाने के उचित अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। इस पहल को हाल ही में राज्य मंत्रिमंडल ने एक सरकारी प्रस्ताव के जरिए मंजूरी दी है। योजना को झारखंड प्रिजन एंड करेक्शनल सर्विस एक्ट, 2025 के प्रावधानों से भी आधार मिलता है, जिसमें ओपन करेक्शनल संस्थानों की व्यवस्था की गई है। हम आपको यह भी बता दें कि यह फैसला केवल राज्य सरकार की अपनी पहल का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे सर्वोच्च न्यायालय का भी महत्वपूर्ण निर्देश है। *सुहास चकमा बनाम भारत संघ* मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन राज्यों से विचार करने को कहा था, जहां कार्यशील ओपन करेक्शनल संस्थान मौजूद नहीं हैं। अदालत ने राज्यों से यह जांचने को कहा था कि क्या ऐसे संस्थान स्थापित किए जा सकते हैं। ज्योग्राफिकमैप्स और जीपीएस गाइड एक्सप्लोर करना सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि जहां अलग से ओपन जेल या करेक्शनल संस्थान बनाना व्यावहारिक नहीं है, वहां मौजूदा जेल परिसरों के भीतर ही ओपन या सेमी-ओपन बैरक विकसित किए जा सकते हैं।

एनसी हिल्स ऑटोनोमास काउंसिल...

आधिकारिक रिकॉर्ड में *डिमा हसाओ ऑटोनोमास काउंसिल* या डीएचएसी नाम का ही सख्ती से इस्तेमाल करें। यह आदेश हॉफलांग में काउंसिल सचिवालय में प्रधान सचिव के कार्यालय से जारी किया गया था। इस निर्देश में इस साल 18 मई को जारी एक अधिसूचना का जिक्र किया गया है, जिसके तहत काउंसिल का नाम नॉर्थ कछार हिल्स ऑटोनोमास काउंसिल से बदलकर डिमा हसाओ ऑटोनोमास काउंसिल कर दिया गया था। अब सभी विभागों के प्रमुखों से कहा गया है कि वे सभी पत्रों, फाइलों, नोटिसों, आदेशों, मुहरों और साइनबोर्ड पर नए नाम — डीएचएसी — का इस्तेमाल करें। अधिकारियों ने बताया कि इस कदम का मकसद काउंसिल के सभी विभागों और कार्यालयों में एकरूपता लाना है। डीएचएसी का अधिकार क्षेत्र असम के मध्य-दक्षिणी हिस्से में पूरे दिमा हसाओ जिले में फैला हुआ है।

मद्रास रेजिमेंट परिसर ...

प्रकृति का हवाला देते हुए स्थानीय पुलिस ने जांच से जुड़े कई पहलुओं को गोपनीय रखा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, गायब हथियारों में चार एके-47 राइफलें, छह पिस्तौल, एक इंसास राइफल और गोला-बारूद शामिल हैं। बताया जा रहा है कि कुल 12 हथियार गायब हैं। हालांकि अधिकारियों ने अभी पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। ये हथियार मद्रास रेजिमेंट परिसर के एक प्रतिबंधित क्षेत्र में रखे गए थे, जहां केवल अधिकृत कर्मियों को ही जाने की अनुमति होती है इसलिए, संदिग्ध किस परिस्थिति में स्टोर रूम तक पहुंचे और हथियारों को वहां से निकाला, यह जांच की जा रही है।

तापमान

अधिकतम 31^0 न्यूनतम 25^0

मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को असम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद दिलीप सैकिया को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट पर सैकिया के लंबे राजनीतिक एवं संगठनात्मक अनुभव की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विभिन्न स्तरों पर पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया है। उन्होंने संसद में जनता की आवाज के रूप में सैकिया की भूमिका और असम में भाजपा संगठन को मजबूत करने के लिए उनके समर्पित प्रयासों को प्रशंसनीय बताया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मां कामाख्या और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के चरणों में सैकिया के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सफल जीवन के लिए प्रार्थना भी की।

हिंसा के बाद शिलांग में सामान्य स्थिति बहाल होने पर केंद्रीय बलों को वापस बुला लिया गया

शिलांग। पूर्वी खासी हिल्स के उपायुक्त अभिलाश बरनवाल ने मंगलवार को कहा कि 19 अगस्त को खासी छात्र संघ (केएसयू) की काले झंडे वाली बाइक रैली के दौरान हुई हिंसा के बाद शिलांग में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति लौट रही है। बरनवाल ने कहा कि हिंसा के बाद शहर में तैनात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) के जवानों को अब वापस बुला लिया गया है क्योंकि केएसयू के साथ बातचीत जारी है और संगठन ने अस्थायी रूप से अपना आंदोलन समाप्त कर दिया है। उपायुक्त ने कहा कि हालात सामान्य हो गए हैं। पर्यटक भी शहर और जिले में वापस लौट रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि पर्यटकों

का आगमन अभी तक 19 अगस्त की घटना से पहले के स्तर पर नहीं पहुंचा है। बरनवाल ने कहा कि बुकिंग फिर से शुरू हो रही है, लेकिन मैं यह नहीं कह सकता कि हमने 18 अगस्त को आने वाले पर्यटकों की संख्या के बराबर पर्यटकों की संख्या वापस हासिल कर ली है। 19 अगस्त को हुई हिंसा केएसयू की ब्लैक फ्लैग बाइक रैली के दौरान हुई, जिसके कारण शिलांग के कुछ हिस्सों में वाहनों को नुकसान पहुंचा और व्यवधान उत्पन्न हुआ। भारतीयमनोरंजन समाचार कानून और व्यवस्था बहाल करने के प्रयास में अधिकारियों ने अशांति के बाद केंद्रीय बलों की तैनाती की। इसी बीच, हिंसा के दौरान मेघालय उच्च न्यायालय के दो वाहनों में कथित तोड़फोड़ से संबंधित नए मामलों के सिलसिले में सोमवार को शिलांग स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय में केएसयू के तीन वरिष्ठ नेताओं को पेश किया गया। केएसयू के अध्यक्ष रेमंड खारजाना, महासचिव रूबेन नाजियार और उपाध्यक्ष पिन्कमेनलांग सानमीत पहले से ही 19 अगस्त की हिंसा से जुड़े अन्य मामलों के सिलसिले में हिरासत में हैं। केएसयू नेताओं के खिलाफ दर्ज किए गए नए मामलों के बारे में पूछे जाने पर, बरनवाल ने कहा कि इस मामले को पुलिस अधीक्षक द्वारा निपटाया जाएगा।

मणिपुर के लियांगमई नागा गांवों पर हमला, कई घरों में आग लगा दी गई

इंफाल। मणिपुर में इंफाल- तामेंगलांग (आईटी) रोड के किनारे स्थित लियांगमाई नागा गांवों में मंगलवार को कई घरों में आग लगा दी गई, जबकि हिंसा जारी है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान को लेकर विरोधाभासी दावे किए जा रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, तापोन और थोंगलांग अकुतपा गांवों पर हमला हुआ, जबकि मकुई से लगभग 8 किलोमीटर दूर स्थित लियांगमाई नागा गांव पिपुरम को कथित तौर पर जला दिया गया। हिंसा में कई अन्य घरों को भी नुकसान पहुंचने की खबर है। खबरों के मुताबिक, तापोन गांव के एक पादरी को लंबे समय तक चली गोलीबारी के दौरान पेट में गोली लग गई। प्रभावित बस्तियों में लगभग 100 कमजोर लियांगमाई नागा परिवार रहते हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि तापोन गांव के मुखिया द्वारा बंगलाबुंग कुकी गांव में स्थित सीआरपीएफ चौकी पर सीधे संकटकालीन गुहार लगाने के बावजूद, आश्वासनों के बावजूद सुरक्षा बल तुरंत तैनात नहीं हुए। जमीनी रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि मंगलवार तड़के कई इलाकों में गोलीबारी और हमले शुरू हो गए, और निवासियों ने बताया कि घरों में आग लगा दी गई थी। हिंसा भड़कने के बाद, आईटी रोड के किनारे स्थित लियांगमाई नागा गांवों में सीआरपीएफ और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) सहित सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया था। हिंसा से जुड़े हालात, जिनमें

इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान और उनके कृत्य शामिल हैं, अभी भी स्पष्ट नहीं हैं। स्थानीय निवासियों द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की गई है, और अधिकारियों ने अभी तक हताहतों, हमलों या संपत्ति के नुकसान की सीमा की पुष्टि करने वाला एक व्यापक विवरण जारी नहीं किया है। कांगपोकपी में आईटी रोड पर व्याप्त व्यापक अशांति के बीच यह ताजा हिंसा हुई है, जहां हाल ही में हुए हमलों में कुकी समुदाय के नागरिकों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए हैं। अधिकारी इन घटनाओं की जांच कर रहे हैं। यह हिंसा जिले में एक दिन पहले हुई एक अलग घटना के बाद हुई है जिसमें तीन कुकी नागरिक मारे गए थे, जिससे इंफाल- तामेंगलांग सड़क पर जवाबी हमलों को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं।

गुवाहाटी को बाढ़-जलभराव से मुक्त करने की कवायद तेज जालुकबाड़ी-जोराबाट के बीच सात संवेदनशील स्थान चिह्नित

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में बाढ़ और जलभराव की समस्या से स्थायी समाधान की दिशा में राज्य सरकार ने कार्रवाई तेज कर दी है। *बाढ़-मुक्त गुवाहाटी अभियान* के तहत आवास एवं शहरी कार्य मंत्री कौशिक राय की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में जालुकबाड़ी से जोराबाट तक राष्ट्रीय राजमार्ग के सात प्रमुख संवेदनशील स्थानों की पहचान की गई। इन स्थानों पर जलभराव और बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए अलग-अलग उपाय प्रस्तावित किए गए हैं। असम सचिवालय के ब्लॉक-बी स्थित सम्मेलन कक्ष में हुई बैठक में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी के प्रोफेसरों, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों तथा आवास एवं शहरी कार्य विभाग, कामरूप महानगर जिला प्रशासन और गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए अब तक किए गए शोध, उठाए गए कदमों और प्रस्तावित उपायों पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। राष्ट्रीय

राजमार्ग के विभिन्न हिस्सों की स्थिति पर चर्चा के बाद जालुकबाड़ी से जोरबाट तक सात प्रमुख स्थानों को चिह्नित किया गया और प्रत्येक स्थान के लिए विशेष बाढ़ एवं जलनिकासी उपाय प्रस्तावित किए गए। मंत्री ने संबंधित विभागों और एजेंसियों को चिह्नित उपायों को लागू करने की जिम्मेदारी सौंपते हुए आपसी समन्वय के साथ त्वरित और समयबद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। प्रस्तावित उपायों की व्यवहार्यता का तकनीकी आकलन करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी के साथ शीघ्र चर्चा करने का भी निर्णय लिया गया। मंत्री ने 15 दिनों के बाद पुनः समीक्षा बैठक आयोजित कर कार्यों की प्रगति का जायजा लेने और लिए गए निर्णयों के समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में आवास एवं शहरी कार्य विभाग की आयुक्त एवं सचिव कविता पद्मनाभन, गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एमपी अनबामुथन, कामरूप महानगर के जिला आयुक्त स्वप्निल पॉल, नगर एवं ग्राम नियोजन के विशेष निदेशक जितेंद्र कुमार शर्मा काकोती, गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण की सचिव मृदुस्मिता बोरा, कार्यपालक अभियंता (प्रभारी) सीमा राभा सहित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी के प्रोफेसर और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री कौशिक राय ने गुवाहाटी को बाढ़ मुक्त बनाने के लिए समन्वित, तकनीकी रूप से प्रभावी और समयबद्ध उपाय किए जाने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से शहर के सड़क ढांचे को अधिक सुरक्षित, सुगम और आपदा-रोधी बनाने में मदद मिलेगी।

आईआईटी गुवाहाटी के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के स्थापना दिवस के अवसर पर संस्थान से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से कहा कि आईआईटी गुवाहाटी असम समझौते के महत्वपूर्ण परिणामों में से एक के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में संस्थान ज्ञान, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में नए क्षितिज खोलेगा और असम का गौरव और बढ़ाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आईआईटी गुवाहाटी की निरंतर सफलता और उपलब्धियों की कामना करते हुए कहा कि संस्थान भविष्य में भी शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देता रहे। गौरतलब है कि, आईआईटी गुवाहाटी असम के नॉर्थ गुवाहाटी के अमिनगांव में स्थित एक प्रमुख सार्वजनिक तकनीकी संस्थान है। वर्ष 1994 में भारतीय संसद के एक अधिनियम के तहत इसकी स्थापना हुई थी। यह देश का छठा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) है। आईआईटी गुवाहाटी को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एक्ट, 1961 के तहत *राष्ट्रीय महत्व के संस्थान* का दर्जा प्राप्त है। संस्थान शिक्षा, अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और कौशल विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

59वें स्थापना दिवस पर प्रथम वाहिनी एसएसबी सोनापुर को मिला *बेस्ट सर्विस अवार्ड*

गुवाहाटी (हिंस)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की प्रथम वाहिनी, सोनापुर को अपने 59वें स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्र के प्रति उत्कृष्ट सेवा, समर्पण और योगदान के लिए प्रतिष्ठित *बेस्ट सर्विस अवार्ड* से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार प्रथम वाहिनी एसएसबी, सोनापुर की ओर से सेकेंड-इन-कमांड ख. इबोचौबा सिंह ने ग्रहण किया। पुरस्कार समारोह रिपब्लिक नॉर्थ ईस्ट द्वारा यूएसटीएम स्थित एनकेसी ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया था। यह सम्मान प्रथम वाहिनी के अधिकारियों और जवानों की कर्तव्यनिष्ठा, पेशेवर दक्षता तथा राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण को मान्यता प्रदान करता है। पुरस्कार मिलने से पूरी प्रथम वाहिनी एसएसबी परिवार में गर्व और उत्साह का माहौल है।

भारत की 7.8 फीसदी जीडीपी वृद्धि आर्थिक मजबूती का प्रमाण : असम भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। असम भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता मितानाथ बोरा ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत वास्तविक जीडीपी वृद्धि का स्वागत करते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और लचीलेपन का प्रमाण बताया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के ताजा अनुमानों के अनुसार, अप्रैल-जून 2026 में वास्तविक जीवीए में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। विनिर्माण क्षेत्र 9.2 प्रतिशत, वित्तीय सेवाएं 12.1 प्रतिशत और सकल स्थिर पूंजी निर्माण 11.9 प्रतिशत बढ़ा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की मजबूत वृद्धि देश की आर्थिक बुनियाद और घरेलू मांग की मजबूती को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े *विकसित भारत 2047* के लक्ष्य और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में देश की दीर्घकालिक यात्रा को और मजबूती प्रदान करेंगे।

आरपीएफ कोकराझाड़ की तत्परता से घायल यात्री की बची जान

कोकराझाड़ (हिंस)। ट्रेन संख्या 12510 डाउन के जनरल कोच से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए एक यात्री को आरपीएफ कोकराझाड़ की तत्परता से समय पर अस्पताल पहुंचाया गया। घटना कोकराझाड़-सलाकाटी रेलखंड के बीच एलसी गेट संख्या 141 के पास की बताई गई है। घायल यात्री की पहचान अनंत बोरा, पिता भगदत्त बोरा, निवासी कामालपुर, सिमलुगुड़ी, थाना डालपुर, जिला लखीमपुर के रूप में हुई है। सिर में चोट लगने के बाद यात्री किसी तरह कोकराझाड़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 के सलाकाटी छोर तक पहुंचा। आरपीएफ की विशेष शाखा द्वारा पूछताछ के दौरान यात्री ने बताया कि उसका नीले रंग का पिट्ठू बैग ट्रेन में ही छूट गया है।

लगातार बारिश से गुवाहाटी के कई इलाकों में जलभराव

गुवाहाटी (हिंस)। लगातार हो रही बारिश के कारण राजधानी गुवाहाटी के विभिन्न इलाकों में कृत्रिम बाढ़ और जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इससे आम जनजीवन प्रभावित होने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था भी बाधित हुई है। उजानबाजार इलाके में लगातार बारिश के बीच एक पेड़ सड़क पर गिर गया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। वहीं, शहर के कई अन्य हिस्सों में भी पानी जमा होने से लोगों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

माजुली में ब्रह्मपुत्र नद में 108 फेरी कर्मचारी लापता, तलाश जारी

माजुली (हिंस)। असम के माजुली जिले में ब्रह्मपुत्र नद में मरीजों को ले जाने वाली 108 फेरी सेवा का एक कर्मचारी लापता हो गया। घटना के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने ब्रह्मपुत्र नद में उसकी तलाश के लिए अभियान शुरू किया है। लापता कर्मचारी की पहचान सदिया निवासी माधव दास के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि माजुली के पास ब्रह्मपुत्र नद में यह घटना हुई। इसके बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने ब्रह्मपुत्र में तलाशी अभियान तेज कर दिया। इस बीच, ब्रह्मपुत्र के किनारे अपने पिता की तलाश में माधव दास के बेटे का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल, फेरी कर्मचारी के नदी में लापता होने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

शोनितपुर के रंगापाड़ा क्षेत्र के मोलानगांव में जंगली हाथियों ने दो घरों को तोड़ा

शोणितपुर (हिंस)। रंगापाड़ा में एक बार फिर जंगली हाथियों का आतंक देखने को मिला। रंगापाड़ा के कॉलोनी चाय बागान के समीप स्थित मोलानगांव में जंगली हाथियों ने दो आवासीय घरों को तोड़ दिया। देर रात भोजन की तलाश में जंगल से निकले दो जंगली हाथी मोलानगांव में प्रवेश कर गए और जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने अटुआ मुंडा और दुर्गेश्वर तांती नामक दो लोगों के घरों को तोड़ने के साथ-साथ घर में रखे सामान और फर्नीचर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान दोनों परिवारों के सदस्यों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। बाद में स्थानीय लोगों ने मिलकर दोनों हाथियों को वहां से खदेड़ने में सफलता हासिल की। गौरतलब है कि, रंगापाड़ा के विभिन्न इलाकों में जंगली हाथियों का आतंक अब लगभग प्रतिदिन देखने को मिल रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

रंगिया में दो दिनों से रेल डिब्बे में बंद 25 भैंस, पशु प्रेमियों में नाराजगी

कामरूप (हिंस)। रंगिया रेलवे जंक्शन से कथित रूप से भैंसों की अवैध ढुलाई का मामला सामने आया है। सिकंदराबाद से नाहरलागुन एक्सप्रेस के जरिए लाई गईं करीब 25 भैंसों को रंगिया रेलवे स्टेशन पर एक डिब्बे में लगभग दो दिनों तक बंद रखे जाने से पशु प्रेमियों में आक्रोश है। पशु संरक्षण संगठन को इसकी जानकारी मिलने के बाद उसके कार्यकर्ता रंगिया रेलवे स्टेशन पहुंचे। हालांकि, संगठन के पहुंचने से पहले ही तस्करों को इसकी भनक लग गई और उन्होंने कथित तौर पर रात करीब 11 बजे से 1 बजे के बीच महज दो घंटे में भैंसों को रेल डिब्बे से उतारकर ट्रकों में लाद दिया और किसी अज्ञात स्थान पर ले गए। संगठन ने आरोप लगाया कि पशुओं के परिवहन से संबंधित निर्धारित नियमों का उल्लंघन किया गया। एक डिब्बे में निर्धारित संख्या से अधिक भैंसों को लाने के साथ-साथ आवश्यक पशु चिकित्सा प्रमाणपत्र के नियमों का भी पालन नहीं किया गया। पशु संरक्षण संगठन का दावा है कि अमानवीय परिस्थितियों में रखे जाने के कारण दो भैंसों की डिब्बे के अंदर ही मौत हो गई। मामले में रेलवे सुरक्षा बल की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। प्लेटफॉर्म संख्या 7 से बड़े ट्रकों में भैंसों को ले जाए जाने के दौरान ड्यूटी पर तैनात कर्मियों द्वारा कथित तौर पर कार्रवाई नहीं किए जाने पर भी सवाल उठ रहे हैं। पशु संरक्षण संगठनों ने पशुओं के साथ क्रूरता और कथित अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बीएल संतोष की त्रिपुरा यात्रा के दौरान भाजपा-टिप्रा मोथा गठबंधन को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना

अगरतला। त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएडीसी) के आगामी ग्राम समिति चुनावों के लिए चुनावी गठबंधन को लेकर भाजपा और टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के बीच चल रही बातचीत के बीच भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष मंगलवार को त्रिपुरा का दौरा करने वाले हैं। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि संतोष के अपने दौरे के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता करने की उम्मीद है, जहां टीएमपी के साथ प्रस्तावित सीट-बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष कल यहां पहुंचने वाले हैं। वे भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे और संभवतः गठबंधन को अंतिम रूप देंगे। हम उनके दौरे के बारे में विस्तृत जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। साहा

ने सोमवार को विधानसभा परिसर में पत्रकारों से कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गठबंधन को लेकर टीएमपी के साथ बातचीत अभी भी जारी है और उन्होंने उम्मीद जताई कि भाजपा अपने सहयोगियों के साथ चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा, *हमें उम्मीद है कि भाजपा अपने सहयोगियों के साथ चुनाव लड़ेगी। चुनाव के लिए गठबंधन का विवरण प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के बाद ही पता चलेगा।* टीटीएडीसी के अंतर्गत आने वाली 587 ग्राम समितियों के चुनाव 28 सितंबर को होने वाले हैं। हालांकि, भाजपा और टीएमपी द्वारा चुनावी समझौते तक पहुंचने के प्रयास दिल्ली में दोनों पार्टियों के बीच कई दौर की चर्चाओं के बावजूद अब तक अंतिम समझौते में तब्दील नहीं हो पाए हैं। भारतीयमनोरंजन समाचार इस बीच, टीएमपी सुप्रीमो प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने पार्टी के रुख को दोहराते हुए कहा है कि जब तक तिप्रसा समझौते के तहत वादा किए गए संवैधानिक अधिकारों पर प्रगति नहीं होती, तब तक पार्टी भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करेगी। देबबर्मा ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि यदि तिप्रासा समझौते में वादा किए गए संवैधानिक अधिकारों को पूरा नहीं किया जाता है, तो कोई समझ नहीं होगी। टिपरा मोथा ने 2022 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में केंद्र और त्रिपुरा सरकार के साथ एक त्रिपक्षीय समझौता किया था। इस समझौते का उद्देश्य राज्य की स्वदेशी आबादी के समग्र विकास और कल्याण को सुनिश्चित करना था। देबबर्मा ने आगे कहा कि आगामी चुनावों के लिए टीएमपी किसी भी चुनावी गठबंधन में तब तक प्रवेश नहीं करेगी जब तक कि वादा किए गए संवैधानिक सुरक्षा उपायों को या तो पूरा नहीं किया जाता है या लिखित आश्वासन द्वारा समर्थित नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा कि टिप्रासा समझौते में किए गए संवैधानिक अधिकारों के वादे पूरे होने या लिखित आश्वासन के बिना हम आगामी चुनावों के लिए कोई गठबंधन नहीं बनाएंगे।

चेंगा के बाघरचर में अवैध मोबाइल कठफोड़वा मिल जब्त

नगरबेड़ा (विभास)। वन विभाग ने आज बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के आलोपतीचर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बाघरचर में एक मोबाइल चीरघर को जब्त कर लिया। बरपेटारोड के क्षेत्रीय वन अधिकारी (आरएफओ) धर्मेंद्र कुमार दास के निर्देश पर बाघमाराचर में अस्थायी वन शिविर के वन रक्षक पूलक ज्योति ओझा के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम ने अस्थायी दास, चंदन मजूमदार और खंडाकर बकुल हुसैन सहित वन कर्मचारियों के साथ वन अधिकारियों की एक टीम ने छापा मारा और बाघरचर से मोबाइल लकड़ी मिल को जब्त कर लिया। जब्त काठ चीर मिल आलोपतीचर थाना में लाया गया है।

संपादकीय

भागवत का 'डीएनए' संदेश

सरसंघचालक मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क (अमरीका) में जो संबोधन दिया है, वह उनकी सोच की पुनरावृत्ति ही है, लेकिन संदेश अमरीकी जमीन से दिया गया है, लिहाजा उसकी गूंज 'वैश्विक' है। मुस्लिम धर्मगुरुओं, अमरीकी विचारकों और खुली सोच के समर्थकों ने संबोधन की सराहना की है। उसे स्वागतयोग्य भी माना है, लेकिन चुनौतीपूर्ण भी करार दिया है। आरएसएस अपनी स्थापना के 100 साल मना रहा है, लिहाजा सरसंघचालक अमरीका, कनाडा, ब्रिटेन के प्रवास पर हैं। बहरहाल भारत में जो जमात संघ-विरोध की राजनीति करती रही है, हर बुराई और विवाद के लिए संघ को ही आरोपित करती रही है, वह पुराने पन्ने खोल कर सरसंघचालक के विरोधाभासों, कथनी-करनी में अंतर, उनके विचारों के उनके अपने ही 'घर' में उल्लंघन सरीखी तोहमतें लगा रहे हैं। संबोधन को संघ-प्रमुख का 'वैचारिक दोगलापन' करार दे रहे हैं। यह सामान्य प्रवृत्ति है। उन्हें ऐसी अभिव्यक्ति की आजादी देश के संविधान ने दी है। दरअसल सरसंघचालक मोहन भागवत के अमरीकी संबोधन का सारांश यह है कि हिंदू-मुसलमान का 'डीएनए' एक ही है। एकता और विविधता ही हमारा 'डीएनए' है। यदि कोई हिंदू सोचता है कि देश में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह जाएगा। हिंदुत्व का अर्थ मुसलमान को देश के बाहर करना नहीं है। यही भागवत के 'हिंदू राष्ट्र' की कल्पना है। विविधता में एकता ही हमारा राष्ट्रवाद है, सांस्कृतिक एकात्मवाद है। धर्म का लक्ष्य सत्य की ओर ले जाना है। सभी रास्ते एक ही ईश्वर की ओर ले जाते हैं। धर्म अनेक हैं, लेकिन सत्य एक ही है। इनसानियत सबसे मूल्यवान है। सरसंघचालक ने ऐसा संबोधन पहली बार नहीं दिया है। विदेशी जमीन पर यह 'प्रथम संबोधन' हो सकता है! अलबत्ता मोहन भागवत 2018 से यही संदेश लगातार देते रहे हैं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बयान भी दिया था कि हरेक मस्जिद के नीचे शिवालय ढूंढना बंद करें। उसका जबरदस्त असर हुआ और ऐसी सांप्रदायिक कवायदें बहुत कम हो गई। 'काशी, मथुरा' संघ परिवार और भाजपा के सनातन मुद्दे हैं और कहा जाता रहा है कि अदालत का जो फैसला होगा, वह मान्य होगा। दरअसल सरसंघचालक भागवत अपनी सोच और वैचारिकता में बिल्कुल स्पष्ट हैं, लिहाजा वह हिंदू-मुस्लिम के एकत्व वाले राष्ट्र की कल्पना करते रहे हैं, लेकिन अहम सवाल यह है कि संघ-प्रमुख किन्हें संबोधित करते रहे हैं? संघ के प्रचारक रहे और अब देश के प्रधानमंत्री मोदी खुद 'कपड़ों से पहचानने', 'दाढ़ी-टोपी वाले', 'ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले' और 'आपका मंगल-सूत्र छीनने वाले' आदि सार्वजनिक टिप्पणियां कर मुसलमानों पर आघात करते रहे हैं। भाजपा में एक बड़ी जमात है, जो सार्वजनिक रूप से मुस्लिम-विरोधी है, कट्टर विरोधी है। कांवड़-यात्रा निकलती है, तो मुसलमानों को पहचान छिपानी पड़ती है। उनकी दुकानों, रेहड़ियों और उनके ढाबों पर अनावश्यक, अनधिकृत जांच के छापे मारे जाते हैं। सर्वोच्च अदालत तक इनके खिलाफ फैसला सुना चुकी है। देश में 'राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर' (एनआरसी) का अभियान असम से चलाया गया, लेकिन प्राथमिक जांच में ही 'हिंदू' या 'बंगाली हिंदू' बहुसंख्यक पाए गए। अभियान पर ढक्कन लगा दिया गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अब भी एनआरसी के अभियान पर आमादा हैं। हालांकि संघ-प्रमुख के संबोधन के बाद खासकर भाजपा में 'गहरी खामोशी' है, अलबत्ता केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, सांसद निशिकांत दुबे जैसे लोगों की भरपूर जमात है, जो बात-बात पर, औसत मुद्दों और विवाद पर, मुसलमानों को पाकिस्तान चले जाने की धमकी देते रहे हैं। जिन्हें पाकिस्तान जाना था, वे चले गए, 80 लंबे साल भी बीत गए, पीढ़ियां बदल गई, अब मुसलमान भी भारतीय हैं। हिंदू-मुसलमान की नारेबाजी, नफरत, जारी रहेगी, तो देश में एकता, एकत्व का डीएनए अथवा सांस्कृतिक एकात्मवाद की स्थितियां कैसे संभव होंगी? विरोधी भी अपनी पूर्वाग्रही मानसिकता बदलें। महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे का आरएसएस से कोई संबंध नहीं था। कांग्रेस, सपा के कथित प्रवक्ता टीवी बहसों में हररोज यह आरोप चिल्लाते रहते हैं। द्वितीय सरसंघचालक गुरु गोलवलकर की किताब 'बंच ऑफ थॉट्स' फरवरी, 1966 में छपी थी। वह किताब देश का संविधान या पवित्र धर्म-ग्रंथ नहीं है। गुरु जी के भाषणों, आलेखों, निबंधों, संवादों का संकलन है। हमारा दावा है कि विरोधियों ने यह किताब पूरी तरह पढ़ी भी नहीं होगी। यह आज प्रासंगिक भी नहीं है। उसका लगातार, हररोज जिक्र होता रहेगा, तो फासले और भी गहरे होंगे।

मुस्लिम धर्मगुरुओं, अमरीकी विचारकों और खुली सोच के समर्थकों ने संबोधन की सराहना की है। उसे स्वागतयोग्य भी माना है, लेकिन चुनौतीपूर्ण भी करार दिया है। आरएसएस अपनी स्थापना के 100 साल मना रहा है, लिहाजा सरसंघचालक अमरीका, कनाडा, ब्रिटेन के प्रवास पर हैं। बहरहाल भारत में जो जमात संघ-विरोध की राजनीति करती रही है, हर बुराई और विवाद के लिए संघ को ही आरोपित करती रही है, वह पुराने पन्ने खोल कर सरसंघचालक के विरोधाभासों, कथनी-करनी में अंतर, उनके विचारों के उनके अपने ही 'घर' में उल्लंघन सरीखी तोहमतें लगा रहे हैं। संबोधन को संघ-प्रमुख का 'वैचारिक दोगलापन' करार दे रहे हैं। यह सामान्य प्रवृत्ति है। उन्हें ऐसी अभिव्यक्ति की आजादी देश के संविधान ने दी है। दरअसल सरसंघचालक मोहन भागवत के अमरीकी संबोधन का सारांश यह है कि हिंदू-मुसलमान का 'डीएनए' एक ही है। एकता और विविधता ही हमारा 'डीएनए' है। यदि कोई हिंदू सोचता है कि देश में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह जाएगा। हिंदुत्व का अर्थ मुसलमान को देश के बाहर करना नहीं है। यही भागवत के 'हिंदू राष्ट्र' की कल्पना है। विविधता में एकता ही हमारा राष्ट्रवाद है, सांस्कृतिक एकात्मवाद है। धर्म का लक्ष्य सत्य की ओर ले जाना है। सभी रास्ते एक ही ईश्वर की ओर ले जाते हैं। धर्म अनेक हैं, लेकिन सत्य एक ही है। इनसानियत सबसे मूल्यवान है। सरसंघचालक ने ऐसा संबोधन पहली बार नहीं दिया है। विदेशी जमीन पर यह 'प्रथम संबोधन' हो सकता है! अलबत्ता मोहन भागवत 2018 से यही संदेश लगातार देते रहे हैं।

ज्ञातव्य हो कि भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है

वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में आर्थिक विकास दर ने चौंकाया

विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित अन्य वैश्विक संस्थानों, एसोचेम, भारतीय रिजर्व बैंक आदि के अनुमानों को धता बताते हुए अप्रैल-जून 2026 की तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि, उक्त संस्थानों ने उक्त अवधि में 6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। उक्त वृद्धि दर वैश्विक स्तर पर विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं के बीच हासिल हुई है, इसलिए भारत के लिए यह एक मील का पत्थर साबित होगी। रूस-यूक्रेन युद्ध तो बहुत लम्बे समय से चल रहा है, ईरान-अमेरिका/इजराइल युद्ध भी इस तिमाही में जारी रहा, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। एक समय तो कच्चे तेल की कीमतें 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई थीं।

केंद्र सरकार ने भारत के वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के आंकड़े जारी किए हैं। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित अन्य वैश्विक संस्थानों, एसोचेम, भारतीय रिजर्व बैंक आदि के अनुमानों को धता बताते हुए अप्रैल-जून 2026 की तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि, उक्त संस्थानों ने उक्त अवधि में 6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। उक्त वृद्धि दर वैश्विक स्तर पर विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं के बीच हासिल हुई है, इसलिए भारत के लिए यह एक मील का पत्थर साबित होगी। रूस-यूक्रेन युद्ध तो बहुत लम्बे समय से चल रहा है, ईरान-अमेरिका/इजराइल युद्ध भी इस तिमाही में जारी रहा, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। एक समय तो कच्चे तेल की कीमतें 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई थीं। ज्ञातव्य हो कि भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने के पश्चात इस मार्ग से गुजरने वाले तेल के जहाजों को रोक दिया गया था एवं कच्चे तेल की आपूर्ति पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ा था। परंतु, भारत ने इस दयनीय स्थिति को बहुत ही सूझ बूझ के साथ सम्भाला और अन्य कई देशों से तेल एवं गैस का आयात जारी रखा, जिससे भारत में न तो तेल की आपूर्ति कम हुई और न ही भारत में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। जबकि अन्य कई देशों में तो पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत के युवाओं (जेन-जी) को इस बात को समझना होगा कि भारत आज आर्थिक विकास के जिस दौर से गुजर रहा है, वह बहुत ही संवेदनशील है। यदि देश में किसी भी प्रकार की अराजकता फैलायी जाती है तो आर्थिक विकास की पटरी से भारत डीरेल हो सकता है। आगे आने वाले 10 वर्षों तक भारत यदि विकास दर की इसी ट्रेजेक्टरी में अपने आप को बनाए रखने में सफल होता है तो भारत के वर्ष 1947 में विकसित राष्ट्र बनने के सपने को

साकार होने से कोई रोक नहीं सकता है। अर्थ के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अप्रेल-जून 2026 तिमाही में सराहनीय वृद्धि दर हासिल की गई है। सकल मूल्य संवर्धन में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही है जो अप्रेल-जून 2025 की तिमाही में 7 प्रतिशत की रही थी। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की तिमाही में 8.3 प्रतिशत की रही थी जो इस वर्ष की तिमाही में बढ़कर 9.2 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार सेवा के क्षेत्र में भी आर्थिक विकास दर इस वर्ष की प्रथम तिमाही में बढ़कर 10 प्रतिशत पर पहुंच गई जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 8 प्रतिशत रही थी। भारत की अर्थव्यवस्था उपभोग आधारित है, अतः निजी उपभोग में इस वर्ष की तिमाही में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 6.8 प्रतिशत रही थी। सकल स्थिर पूंजी निर्माण में भी अतुलनीय 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में केवल 5.8 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, रोजगार निर्मित करने वाले क्षेत्रों में भी विकास दर प्रभावशाली रही है। वित्तीय क्षेत्र में वृद्धि दर 12.1 प्रतिशत की दर्ज हुई है तो व्यापार, होटल, यातायात एवं संचार के क्षेत्र में 8.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल की गई है। साथ ही गैस एवं विजली उत्पादन में भी वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत की रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सराहनीय विकास दर हासिल करने को केंद्र सरकार की योजनाओं की सफलता के रूप में भी देखा जा सकता है। केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया नामक योजना को तेजी से आगे बढ़ाया है और इसने भारत को कई क्षेत्रों में आत्म निर्भर बनाने का कार्य सफलतापूर्वक किया है। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल भुगतान, फिन टेक, इंजिनीयरिंग डिजाइन, व्यापार परामर्श, वैश्विक ग्लोबल योग्यता सेंटर, आदि क्षेत्रों में भारत आज पूरे विश्व में लीड कर रहा है। मेक इन इंडिया योजना ने भारतीय नागरिकों में जोश भरा और भारत की प्रतिभा का डंका पूरे विश्व में बज गया है। दूसरे, भारत में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना को भी लागू किया गया। इस योजना ने भारत को उपभोक्ता बाजार से निकालकर मजबूत वैश्विक विनिर्माण हब में बदल दिया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 14 प्रमुख क्षेत्रों में करीब 2.3 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, 16.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कुल उत्पादन हुआ है एवं 12 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए। इसके उपरांत प्रारम्भ हुई प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के अंतर्गत सड़क, रेल, बंदरगाह, एयरपोर्ट और लाजिस्टिक को पहली बार इंटीग्रेटेड तरीके से जोड़ने की कोशिश की गई। समर्पित मालवाहक गलियारों का निर्माण तो इस दृष्टि से मील का पत्थर साबित हुए हैं। नए एक्सप्रेस वे ने माल ढुलाई का समय घटाया। लागत को कम किया और भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया। 86,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात इस सफलता की कहानी को दर्शाता है। निर्यात में अतुलनीय वृद्धि दर उस समय पर हासिल की गई है जब अमेरिका की टैरिफ नीति ने पूरे विश्व को परेशान किया हुआ है। साथ ही, रूस यूक्रेन युद्ध, ईरान इजराईल-अमेरिका युद्ध, इजराईल हमास युद्ध एवं वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का बने रहना भी शामिल है। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने उत्पादों एवं सेवा के क्षेत्र में निर्यात का रिकार्ड बनाया है। जबकि कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती बनी हुई है। भारत के कुल निर्यात में सेवा क्षेत्र की कुल हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। यदि भारत को चीन जैसी विनिर्माण क्षेत्र की ताकत बनाना है तो भारत को हाई वैल्यू मैन्युफेक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, मशीनरी, और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के क्षेत्र को और अधिक मजबूत करना होगा। घरेलू उत्पाद बढ़ाकर न केवल उत्पादों के आयात को कम किये जाने का प्रयास किया जा रहा है बल्कि वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेसरी भी बढ़ाई जा रही है। भारत में हाल ही में आई मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक क्रांति का भी इसमें बहुत बड़ा योगदान है। वर्ष 2014 में भारत में केवल 2 मोबाइल उत्पादन इकाईयां कार्यरत थीं। आज भारत मोबाइल निर्माण के क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता देश बन गया है। ऐपल की फ्लेगशिप कम्पनी अब मैन्युफेक्चरिंग इन इंडिया की ओर आगे बढ़ रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन 2014-15 के 1.9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 13.11 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। रक्षा के क्षेत्र में भी उत्पादन एवं निर्यात तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। रक्षा के क्षेत्र में भारत अपनी छोटी मोटी जरूरतों के लिए अन्य देशों की ओर देखता था आज वह फिलिपींस को ब्रह्मोस मिसाईल का निर्यात कर रहा है। कई अफ्रीकी देशों को मेड इन इंडिया हेलिकोप्टर निर्यात कर रहा है। अब देश की कुल जरूरत का लगभा 65 प्रतिशत रक्षा उत्पाद देश में ही निर्मित हो रहा हैं।

देश | दुनीया से

तकनीकी हमलों से क्रुद्ध हिमालय

औद्योगिक क्रांति के बाद जिस तकनीकी दंभ का प्रादुर्भाव हुआ है, उसके आलोक में वैज्ञानिकता के नाम पर प्रकृति से आधुनिक मानव युद्धरत है। ऊर्जा की अत्यधिक भूख ने ऊर्जा उत्पादन के ऐसे तरीकों पर निर्भरता बढ़ा दी है, जो वैश्विक तापमान में वृद्धि करके जलवायु परिवर्तन का कारण बन रहे हैं। पिछली डेढ़ सदी में वैश्विक स्तर पर तापमान डेढ़ डिग्री तक बढ़ चुका है। अभी भी हम लगभग उसी रास्ते पर दौड़ रहे हैं। हिमालय का क्रोध केवल भारतवर्ष के कारण नहीं है, यह तो सारी दुनिया, विशेषकर विकसित देशों का किया धरा है, किन्तु बाकी सभी देश भी तो उन्हीं विकसित देशों की विकास पद्धति का ही अनुकरण कर रहे हैं और जलवायु परिवर्तन में योगदान करके प्रकृति के संतुलन को नष्ट करने में लगे हुए हैं। प्रकृति बार बार चेतावनी देती है, किन्तु हम समझने वाले नहीं हैं, क्योंकि हम इस गलतफहमी हैं कि हम कुछ भी करके सुरक्षित निकल लेंगे। न तो हम पश्चिम के बर्फीले तूफानों से समझ रहे हैं, न ही रेगिस्तानी बर्फबारी से समझ रहे हैं। ध्रुवीय प्रदेशों से लेकर हिमालय तक ग्लेशियरों के पिघलने से हो रही तबाही से, मासूम जिंदगियों का काल कलवित हो जाना हमारे हृदय में न तो दया का भाव पैदा कर पा रहा है, न ही अपने लालच के चलते प्रकृति को पहुंचाए जा रहे नुकसान के बारे में पुनर्विचार करने की ओर मुड़ रहा है। गेंद एक दूसरे के पाले में धकेला जा रहा है। जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने वाले संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रयासों से अमरीका जैसे भारी प्रदूषणकारी देश बाहर निकल चुके हैं। चीन और भारत हिमालय में बड़े से बड़े बांधों के निर्माण में डटे हुए

हैं, जिससे होने वाली तोडफ़ोड़ और मीथेन उत्सर्जन से हिमालय में वैश्विक तापमान में वृद्धि की औसत से, ज्यादा वृद्धि हुई है। नतीजा हम ही भुगत रहे हैं। कभी पारछु की बाढ़ में सतलुज पणढल में तो कभी थुनाह्ग जंजैहली में। कभी धराली में तो कभी केदारनाथ में। हम जानते तो सब कुछ हैं, पर समझेंगे नहीं क्योंकि हम वैज्ञानिक युग के अहंकारपूर्ण शक्तिशाली देश हैं। प्रकृति की ताकत के आगे बार-बार शर्मिंदा होने के बाद भी हम प्राकृतिक आपदा कह कर मामले को टाल देते हैं, जबकि हमें इन्हें मानव निर्मित प्राकृतिक आपदा कहना चाहिए ताकि हमें अपने गैरजिम्मेदार कारनामों की याद आती रहे जिससे शायद जागने में मदद मिले। वर्तमान नेपाल त्रासदी ने जिस तरह हजारों बेशकीमती जाने काल-कलवित की हैं वह वैश्विक चेतना को झकझोरने वाली घटना है। भारत की स्थिति भी इस विषय में अच्छी नहीं है। हिमाचल से लेकर अरुणाचल तक कई जोखिमपूर्ण ग्लेशियर झीलें विद्यमान हैं। हिमाचल में लाहुल घाटी की घेपांग घाट ग्लेशियर झील सहित 48 ऐसी झीलें हैं। उत्तराखंड में 13, लद्दाख में 35, सिक्किम में 40, अरुणाचल में 28 उच्च जोखिम वाली ग्लेशियर झीलें मौजूद हैं। सिक्किम भी 2023 में दक्षिणी ल्होनाक ग्लेशियर झील के फटने से भारी त्रासदी झेल चुका है। वर्तमान विकास गतिविधियां हिमालय में जान-माल के लिए खतरा बढ़ा रही हैं। जब जिन्दा ही नहीं रहेंगे तो उस विकास का क्या करेंगे? एक ओर बड़े बड़े देश युद्धों में उलझे हुए हैं। युद्ध भी जितना वायु प्रदूषण फैला रहे हैं वह भी जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण बन रहे हैं। आतंकवाद और युद्ध दोनों से ही बचने की जरूरत है। बातचीत से समस्याएं हल हो सकती हैं। युद्ध के बाद भी तो बातचीत ही करनी पड़ती है। सांप्रदायिक घृणा जनित आतंकवाद से भी तौबा की जानी चाहिए। कोई संप्रदाय मृत्यु उपरांत नरक में जाता है या स्वर्ग में, इस बात की चिंता किसी को करने की क्या जरूरत है। जो जाएगा वह खुद देख लेगा। फिजूल की आत्मप्रशंसा जनित झगड़ों से ऊपर उठना जरूरी हो गया है, क्योंकि वर्तमान युद्ध और जलवायु परिवर्तन के खतरे भीषण विध्वंसकारक होते जा रहे हैं। भारतवर्ष में पर्यावरणीय आंदोलन 1980 के दशक से ही वैकल्पिक विकास नीति विशेषकर हिमालय क्षेत्रों के लिए बनाने की बात कर रहे हैं। चिपको आन्दोलन से लेकर हिमालय नीति अभियान, हिमालय क्षेत्र में पर्वत विशिष्ट परिशितिकीय दृष्टि से निरापद विकास नीति के लिए आवाज उठा रहे हैं। 1992 में योजना आयोग ने डा. एसजेड कासिम की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समूह का गठन किया था, जिसने हिमालय में विकास के लिए कुछ दिशा निर्देश तय किए थे, जिनमें हिमालय में करणीय और नहीं करने योग्य गतिविधियों के सुझाव दिए गए थे। और इसके लिए व्यवस्थागत सुझाव भी दिए गए थे, किन्तु बात आगे नहीं बढ़ पाई। उसके बाद कितने ही नए अनुभव संचित हो चुके हैं जिन पर आधारित सावधानियां और दिशाएं तय की जा सकती हैं। हमें आशा करनी चाहिए कि जब जागे तभी सवेरा वाली कहावत पर विश्वास करते हुए पर्यावरण मित्र विकास की दिशा में आगे बढने का प्रयास शुरू करेंगे। संयुक्त राष्ट्र संघ से मिल कर चीन और अमरीका जैसे अत्यधिक हरित प्रभाव गैसों का उत्सर्जन करने वाले देशों को भी पर्यावरण मित्र विकास की दिशा में गंभीर सहयोग करने के लिए प्रेरित किया जाना वांछित है। राष्ट्रपति ट्रम्प के आने के बाद अमरीका का जलवायु परिवर्तन रोकने वाली वैश्विक संधियों से बाहर हो जाना चिंता योग्य है। स्वयं सही विकास नीति बना कर वैश्विक स्तर पर दबाव समूह को सशक्त करने की दिशा में भारत महती योगदान कर सकता है।

आप का | नजरीया

पहाड़ी जीवन के खतरे

कृत्रिम बांधों और ग्लेशियरों के खतरे तमाम हिमालयी राज्यों में मंडरा रहे हैं, तो नेपाल की घटना ने हिमाचल को भी सचेत किया है। प्रदेश के बांधों में एक चौथाई गाद का ठहरना जलक्षमता के भंडारण पर असर डाल रहा है, तो सडक मार्गों में सुरंगों के अलावा जल परियोजनाओं में सुरंगों के जरिए पानी को ले जाने का प्रबंध किया गया है। जाहिर तौर पर पर्वतीय आंचल में विकास के मायने तेजी से बदले हैं और मानवीय जरूरतों के कारण निर्माण के मानदंड भी औपचारिकता ही निभा रहे हैं। केंद्रीय जल आयोग ने बांधों में जमती गाद को प्रमुख दुश्मन मानते हुए इसे हर तरह से हानिकारक माना है। प्रदेश की जल वितरण प्रणाली और विद्युत आपूर्ति का खाका भौगोलिक दृष्टि से विभिन्न चुनौतियों को नजरअंदाज कर रहा है। हिमाचल के शहरी इलाकों पर बढ़ता आबादी का घनत्व आधारभूत सुविधाओं के जोखिम बढ़ा रहा है। हर वर्ष नदी-नालों के करीब बस्तियों पर डाका डालती प्रकृति की नजर को न समझे, तो रामपुर के आसपास, सडकों के किनारे उठती इमारतों या मैदानी इलाकों में जल भराव के सामने दयनीय स्थिति के कोप भाजक बन जाएंगे। बरसात में बांधों से पानी छोडने का गुनाह कई बार नूरपुर के इलाकों को पस्त कर चुका है, तो हर साल ऊना में रुकने वाले पानी से जल प्रबंधन के नई योजनाएं सामने नहीं आई हैं। यह सब इसलिए भी कि हिमाचल में ग्राम एवं नगर योजना कानून के तहत जल निकासी की दिशा में कोई नया प्रयोग नहीं किया। हिमाचल की पारंपरिक नदियों के जल बहाव को हम केवल बरसाती पानी या बाढ़ के दौरान ही देखते हैं, जबकि सबसे बड़ा अध्ययन नदियों के बेसिन्स पर होने चाहिएं। हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से ग्लेशियर तीव्रता से पिघल कर नई झीलों को जन्म दे रहे हैं। सौ के करीब ऐसी संवेदनशील झीलें बन चुकी हैं, जो अपने आकार और पानी के दबाव के कारण विस्फोटक क्षमता रखती हैं। हिमाचल की सभी नदियों के स्रोत पहले भी पाराछू झील की तरह खतरे पैदा कर चुके हैं। सतलुज नदी के तटीय क्षेत्रों में भूगर्भीय हलचल ने बार-बार खतरे चिन्हित किए हैं, तो बाकी नदियां भी बाढ़ के संकेतों के साथ जल प्रलय का नासूर लेकर चलती हैं। ऐसे में नेपाल की घटना ने हिमालयी राज्यों की नीतियों में खास तवज्जो देने की नसीहत दी है। कायदे से भारतीय संदर्भों में हिमालयी राज्यों के न तो जलाधिकार सुनिश्चित हुए हैं और न ही जल आबंटन के राष्ट्रीय मानक किसी सर्वमान्य आधार पर पुष्ट हुए हैं। हम फसल की प्रतीक्षा में मानसूनी बादलों का हिसाब करते हैं, लेकिन बांधों के जलस्तर से ऊपर पिघलते ग्लेशियरों के नाज नहीं देखते। पानी के सारे खतरे पहाड़ी जीवन के आसपास छोड़ दिए जाते जबकि इसकी राष्ट्रीय विवेचना जरूरी है। देश की अनेकों नदियां उन परिस्थितियों से निकलती हैं, जिनके मध्य भोटेकोशी या त्रिशुली नदी को भयावह आचरण ओढने की तोहमत मिली है। केंद्र सरकार द्वारा जल प्रबंधन के नीतिगत फैसले तथा जल सिंचाई की परियोजनाएं मैदानी इलाकों की राजनीति को तृप्त करती हैं, जबकि असली चुनौती छोटी-बड़ी हजार के करीब झीलों तथा नदियों के तटीय आवरण में मानवीय गतिविधियों से है। हिमालयी क्षेत्र के कैचमेंट क्षेत्रों में विस्तृत अध्ययन, चौकसी, अलर्ट सिस्टम के अलावा नदी-नालों का तटीकरण जरूरी हो जाता है। इन खतरों की चुनौतियों से रू-ब-रू हिमालयी क्षेत्रों के लिए केंद्र में स्वतंत्र विभाग तथा मंत्रालय का सृजन करना होगा।

प्रदेश के बांधों में एक चौथाई गाद का ठहरना जलक्षमता के भंडारण पर असर डाल रहा है, तो सडक मार्गों में सुरंगों के अलावा जल परियोजनाओं में सुरंगों के जरिए पानी को ले जाने का प्रबंध किया गया है। जाहिर तौर पर पर्वतीय आंचल में विकास के मायने तेजी से बदले हैं और मानवीय जरूरतों के कारण निर्माण के मानदंड भी औपचारिकता ही निभा रहे हैं। केंद्रीय जल आयोग ने बांधों में जमती गाद को प्रमुख दुश्मन मानते हुए इसे हर तरह से हानिकारक माना है। प्रदेश की जल वितरण प्रणाली और विद्युत आपूर्ति का खाका भौगोलिक दृष्टि से विभिन्न चुनौतियों को नजरअंदाज कर रहा है। हिमाचल के शहरी इलाकों पर बढ़ता आबादी का घनत्व आधारभूत सुविधाओं के जोखिम बढ़ा रहा है। हर वर्ष नदी-नालों के करीब बस्तियों पर डाका डालती प्रकृति की नजर को न समझे, तो रामपुर के आसपास, सडकों के किनारे उठती इमारतों या मैदानी इलाकों में जल भराव के सामने दयनीय स्थिति के कोप भाजक बन जाएंगे। बरसात में बांधों से पानी छोडने का गुनाह कई बार नूरपुर के इलाकों को पस्त कर चुका है, तो हर साल ऊना में रुकने वाले पानी से जल प्रबंधन के नई योजनाएं सामने नहीं आई हैं। यह सब इसलिए भी कि हिमाचल में ग्राम एवं नगर योजना कानून के तहत जल निकासी की दिशा में कोई नया प्रयोग नहीं किया। हिमाचल की पारंपरिक नदियों के जल बहाव को हम केवल बरसाती पानी या बाढ़ के दौरान ही देखते हैं, जबकि सबसे बड़ा अध्ययन नदियों के बेसिन्स पर होने चाहिएं। हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से ग्लेशियर तीव्रता से पिघल कर नई झीलों को जन्म दे रहे हैं। सौ के करीब ऐसी संवेदनशील झीलें बन चुकी हैं, जो अपने आकार और पानी के दबाव के कारण विस्फोटक क्षमता रखती हैं।

कुछ | अलग

मनुष्य की खोज

एक कोने में चुपचाप खड़ा काल हौले-हौले मुस्करा रहा था। उसे दिखाई दे रहा था कि यह प्रश्न केवल वृक्ष से नहीं पूछा गया है। कल यह प्रश्न नदियों से पूछा जाएगा। फिर पहाड़ों से। जंगलों से। समुद्रों से। अपने साथी मनुष्यों से। और अंततः...स्वयं मनुष्य भी एक दिन स्वयं से यही पूछेगा, 'मेरा उपयोग क्या है?' प्रकृति ने उस दिन कोई उत्तर नहीं दिया। क्योंकि कुछ प्रश्नों के उत्तर शब्द नहीं देते, उनका उत्तर समय देता है। वह काल, जिसे सभी जीतने का भ्रम पाले रहते हैं। काल ने अपनी अदृश्य पुस्तक खोली और पहली बार मनुष्य के नाम के सामने एक टिप्पणी लिखी, 'जिज्ञासा जब तक विनम्र रहती है, ज्ञान के द्वार खोलती है, और जब लाभ की भाषा सीख लेती है, तब संसार को संबंध नहीं, संसाधन मानने लगती है।' उस दिन किसी को कुछ असाधारण नहीं लगा। केवल इतिहास ने चुपचाप अपने पन्ने का एक कोना मोड़ लिया। उसे मालूम था- आज प्रश्न छोटा दिखता है, कल पूरी सभ्यता इसी का उत्तर लिखेगी।

दृष्टि | कोण

ग्लोबल कंपनियां और भारतीय फर्में

लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाई, बल्कि भविष्य के लिए एक रोडमैप भी पेश किया और उन क्षेत्रों पर जोर दिया, जहां भारत को अपनी कोशिशें तेज करने की जरूरत है। इस संदर्भ में, उन्होंने भारतीय बैंकों और दवा कंपनियों से अपने-अपने क्षेत्रों में दुनिया की शीर्ष पांच कंपनियों में जगह बनाने का आह्वान किया। उन्होंने रेटिंग, कानून, अकाउंटिंग और कंसल्टिंग के क्षेत्रों में भारतीय फर्मों के खुद को स्थापित करने की जरूरत पर भी जोर दिया और कहा कि भारत के पास इन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए जरूरी टैलेंट और क्षमता दोनों मौजूद हैं। यह ध्यान देने वाली बात है कि यह पहली बार नहीं है जब प्रधानमंत्री ने रेटिंग, कंसल्टिंग, कानूनी और अकाउंटिंग क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों की जरूरत पर जोर दिया है। इससे पहले भी कई मौकों पर प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने ये बातें उठाई हैं। एक ओर अंतरराष्ट्रीय कंसल्टिंग फर्में भारतीय सरकार को सलाह देती हैं और राष्ट्रीय नीतियों को प्रभावित करती हैं, लेकिन साथ ही वे बड़ी ग्लोबल कंपनियों की भी सलाहकार होती हैं। नतीजतन, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भारतीय सरकार को सलाह देते समय वे मल्टीनेशनल कंपनियों के हितों को प्राथमिकता नहीं देंगी। ग्लोबल कंसल्टिंग फर्मों के साथ काम करते समय भविष्य की योजनाओं की गोपनीयता और संबंधित डेटा की सुरक्षा भी चिंता का विषय है। इसलिए योजनाओं और डेटा के लीक होने का जोखिम उठाए बिना भारत के भीतर

सही नीतियां बनाने के लिए घरेलू कंसल्टिंग फर्में स्थापित करना बहुत जरूरी है। इस क्षेत्र में ईमानदार सेवाओं की वैश्विक मांग भी है। अगर भारतीय कंपनियां अपनी विशेषज्ञता बढ़ाती हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सेवाएं देती हैं, तो देश काफी विदेशी मुद्रा कमा सकता है। जाहिर है, इस क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के आने से न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी, बल्कि यह विदेशी मुद्रा कमाने का एक बड़ा माध्यम भी बन सकती हैं। साथ ही ग्लोबल साजिशों का शिकार होने से भी बचा जा सकेगा। यह समझना जरूरी है कि बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर दुनिया की प्रमुख कंसल्टिंग, रेटिंग, अकाउंटिंग और लॉ फर्मों के साथ काम करते हैं, चाहे वे भारत में काम करती हों या दुनिया में कहीं और, और कई कंपनियों में तो वे उनके सीईओ के तौर पर भी काम कर रहे हैं। भारत के बेहतरीन संस्थानों से पढ़े-लिखे और अंतरराष्ट्रीय अनुभव रखने वाले हमारे प्रोफेशनल्स किसी से कम नहीं हैं। ठीक इसीलिए प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि इस मामले में देश में टैलेंट या काबिलियत की कोई कमी नहीं है। तो, ऐसा क्यों है कि इन सेक्टरों में भारत की कोई बड़ी कंपनियां नहीं हैं? इसे समझने के लिए हमें अपने इतिहास को देखना होगा। आजादी के बाद, हमारी आर्थिक नीतियां समाजवादी विचारधारा की ओर झुकी हुई थीं। उस समय नीति-निर्माताओं का मानना था कि निजी क्षेत्र के पास जरूरी आर्थिक ताकत, टेक्नोलॉजी और जोखिम उठाने की क्षमता या सोच की कमी है। इसलिए आर्थिक विकास की जिम्मेदारी सरकार उठाएगी। ऐसे हालात में, आर्थिक नीति में निजी क्षेत्र को दूसरे दर्जे पर रखा गया। ऐसे माहौल में, कोई सोच भी कैसे सकता था कि कोई भारतीय लॉ फर्म, रेटिंग एजेंसी या कंसल्टिंग और अकाउंटिंग कंपनी ग्लोबल स्तर पर पहचान बनाएगी और दुनिया भर में अपना नाम कमाएगी। 1991 के बाद अपनाई गई भूमंडलीकरण, उदारीकरण और निजीकरण (एलपीजी) की नीतियों के तहत भी ग्लोबलाइजेशन का ही बोलबाला रहा।

एमएसपी समेत कई मांगों को लेकर मोहाली में किसानों का सात दिवसीय धरना-प्रदर्शन शुरू

मोहाली (हिंस)। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मोहाली में सात दिवसीय पक्का मोर्चा शुरू कर दिया है। यह आंदोलन 1 से 7 सितंबर तक चलेगा। किसानों ने मोहाली-चंडीगढ़ को जोड़ने वाली सड़क पर धरना लगाकर केंद्र और पंजाब सरकार के सामने कृषि, आर्थिक तथा पंजाब से जुड़े मुद्दे उठाए हैं। इस मोर्चा में 32 किसान संगठन शामिल हैं। किसान संगठनों ने सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी देने की मांग की है। किसानों का कहना है कि एमएसपी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार सी2+50 फार्मूले के तहत तय की जानी चाहिए। किसानों की प्रमुख मांगों में पंजाब के नदी जल से जुड़े पुराने समझौतों को रद्द करना और इस मुद्दे पर पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना शामिल है। इसके अलावा भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में पंजाब का प्रतिनिधित्व बहाल करने की भी मांग की गई है। एसकेएम ने किसानों और खेत मजदूरों का पूर्ण कर्ज माफ करने की मांग भी उठाई है। किसान संगठन अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौतों का भी विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि सस्ते कृषि आयात से घरेलू किसानों की फसलों के दाम प्रभावित हो सकते हैं। किसान संगठनों ने इलेक्ट्रिसिटी बिल-2025 और सीड बिल-2025 वापस लेने की मांग भी की है। इसके साथ ही डैम सेफ्टी एक्ट और डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट-2024 को वापस लेने की मांग भी की गई है। एसकेएम ने गन्ने का भाव 500 रुपये प्रति क्विंटल तय करने तथा निजी चीनी मिलों द्वारा किसानों को भुगतान के लिए सहकारी चीनी मिलों की तर्ज पर एकल काउंटर व्यवस्था लागू करने की मांग की है। इसके अलावा किसानों, खेत मजदूरों और ग्रामीण कारीगरों के लिए 10 हजार रुपये मासिक पेंशन देने की मांग भी आंदोलन के एजेंडे में शामिल है। किसानों के धरने को देखते हुए मोहाली पुलिस ने आईआईएसईआर चौक से बेस्टेक मॉल (फेज-11), जगतपुरा होते हुए चंडीगढ़ जाने वाली सड़क को सभी वाहनों के लिए बंद कर दिया है। फैयदान बैरियर से चंडीगढ़ की ओर जाने वाले यातायात को भी डायवर्ट किया गया है। पुलिस ने चंडीगढ़ जाने वाले लोगों के लिए तीन वैकल्पिक मार्ग सुझाए हैं। पहले रूट में आईआईएसईआर चौक से लांडरां रोड, सेक्टर-82/83 रोड और जगतपुरा होते हुए चंडीगढ़ जाने की सलाह दी गई है। दूसरे रूट में आईआईएसईआर चौक से एयरपोर्ट रोड, आईटी सिटी/एरासिटी और जगतपुरा के रास्ते चंडीगढ़ पहुंचा जा सकता है। वहीं तीसरे रूट में आईआईएसईआर चौक से फेज-9 रोड, सेक्टर-66/68 रोड और जगतपुरा होते हुए चंडीगढ़ जाने का विकल्प दिया गया है। किसानों ने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ धरना स्थल पर डेरा डाल दिया है और 7 सितंबर तक मोर्चा जारी रखने का ऐलान किया है। प्रशासन ने सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम किए हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की अहम बैठक वरिष्ठ किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल की अगुवाई में शुरू हो गई है। बैठक के दौरान मोर्चे की अगली रणनीति को लेकर विचार-विमर्श किया जा रहा है और आज आगे की रणनीति से जुड़ा फैसला लिया जाएगा। इसके साथ ही मोर्चे के मंच और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चा की जा रही है। बैठक की शुरुआत देहाती मजदूर सभा के अध्यक्ष गुरनाम सिंह दाऊद के आकस्मिक और दुखद निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। किसान नेताओं ने कहा कि उनके निधन से पूरी लोकतांत्रिक लहर को बड़ा नुकसान हुआ है।

कैग की रिपोर्ट में खुलासा: आमदनी बढ़ी, खर्च और कर्ज का दबाव भारी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा की अर्थव्यवस्था भले ही बढ़ रही हो और कर संग्रह में सुधार हुआ हो, लेकिन भारी प्रतिबद्ध खर्च, बढ़ता कर्ज और पूंजीगत निवेश की सीमित गुंजाइश राज्य की वित्तीय सेहत पर दबाव बनाए हुए हैं। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की वर्ष 2024-25 की रिपोर्ट में राज्य के वित्तीय प्रबंधन की यही दोहरी तस्वीर सामने आई है। मंगलवार को रिपोर्ट को विधानसभा में रखा गया है। इसे 13 अप्रैल को राज्य सरकार को भेजा गया था। वर्ष 2024-25 में हरियाणा का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) पिछले साल के मुकाबले 11.83 प्रतिशत बढ़ा। राष्ट्रीय जीडीपी में राज्य की हिस्सेदारी 3.67 प्रतिशत रही और पिछले पांच वर्षों में यह हिस्सेदारी अपेक्षाकृत स्थिर रही। राज्य की राजस्व प्राप्तियां भी 5.05 प्रतिशत बढ़ीं, जिसका प्रमुख कारण जीएसटी समेत कर संग्रह और केंद्रीय करों में हिस्सेदारी बढ़ना रहा। कुल प्राप्तियों में राज्य के अपने कर राजस्व की हिस्सेदारी करीब दो-तिहाई रही। हालांकि, गैर-कर राजस्व सात प्रतिशत घटा, जबकि केंद्र से मिलने वाले सहायता अनुदान में 17.6 प्रतिशत की कमी आई। कैग ने सबसे बड़ी चिंता राज्य के खर्च के ढांचे को लेकर जताई है। 2024-25 में कुल व्यय का 88.94 प्रतिशत राजस्व व्यय रहा। प्रतिबद्ध लागत और सब्सिडी अकेले राजस्व व्यय का करीब 64 प्रतिशत, कुल व्यय का 57 प्रतिशत और राजस्व प्राप्तियों का लगभग 76 प्रतिशत रही। इस भारी बोझ के बीच पूंजीगत व्यय बजटीय प्रावधान से कम रहा। खास तौर पर पूंजीगत व्यय कुल उधारी का केवल 17.67 प्रतिशत रहा। कैग के मुताबिक इससे बुनियादी ढांचे और दीर्घकालिक परिसंपत्तियों में निवेश के लिए राजकोषीय गुंजाइश सीमित होती है। हरियाणा राज्य राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम में तय राजस्व घाटे के लक्ष्यों को हासिल नहीं कर सका। राज्य की कुल देयताएं पिछले पांच वर्षों में लगातार बढ़ीं और एक साल में 10.52 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कैग ने चेताया कि बढ़ती देनदारियों से भविष्य में मूलधन और ब्याज भुगतान का बोझ बढ़ेगा तथा सरकार की वित्तीय लचीलापन क्षमता प्रभावित हो सकती है। सरकारी निवेश से मिलने वाला रिटर्न भी सरकार की उधारी पर औसत ब्याज दर से कम रहा। रिपोर्ट में 2, 491.65 करोड़ की अदत्त (पेंडिंग) देनदारी सामने आई हैं। यह 2024-25 के जीएसडीपी का केवल 0.21 प्रतिशत और राजकोषीय घाटे का 7.19 प्रतिशत है। इनमें स्थानीय निकायों को वित्त आयोग के 1, 170.27 करोड़ के अनुदानों का लंबित अंतरण, 827.54 करोड़ के लंबित रिफंड, बिजली के खिलाफ डिस्कॉम की 253.82 करोड़ की ऊर्जा देनदारी और ऋण स्टॉक में शामिल नहीं किए गए 146.53 करोड़ के बजट से बाहर के उधार शामिल हैं। इसके अलावा एनपीएस/सांविधिक निधियों में राज्य अंशदान तथा राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट से जुड़े 93.49 करोड़ की कम, न हुई या ब्याज संबंधी देनदारियां भी शामिल हैं। कैग ने इनकी समयबद्ध पहचान, लेखांकन और रिपोर्टिंग पर जोर दिया है।

पंजाब विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी भाजपा : पूनिया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर अपना रुख स्पष्ट किया है। भाजपा के पंजाब प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी और सभी 117 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और अकाली दल के विभिन्न धड़ों के बीच पर्दे के पीछे बातचीत की खबरों के संबंध में पूछे गए सवाल पर पूनिया ने कहा कि भाजपा अपने दम पर चुनाव लड़ने के फैसले पर कायम है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच समय-समय पर मुलाकातें होती रहती हैं, लेकिन इन्हें गठबंधन को लेकर बातचीत नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा पंजाब में सभी स्तरों पर संगठन को मजबूत कर रही है और पार्टी के कार्यकर्ता चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

न्यायाधीश संजय के अग्रवाल राजस्थान उच्च न्यायालय के नए सीजे

जयपुर (हिंस)। उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) कोलेजियम की सोमवार को आयोजित हुई महत्वपूर्ण बैठक में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश जस्टिस संजय के अग्रवाल का तबादला राजस्थान उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) करने की सिफारिश की है। इसके साथ ही उन्हें राजस्थान उच्च न्यायालय के सीजे के पद पर पदोन्नत भी किया गया है। दूसरी ओर राजस्थान हाई कोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश पुष्पेंद्र सिंह भाटी को जम्मू-कश्मीर व लद्दाख हाई कोर्ट का सीजे बनाया गया है। न्यायिक क्षेत्र के लोग इस तबादला आदेश को वर्तमान एक्टिंग सीजे एस.पी. शर्मा से जुड़े हालिया विवाद के साथ सीधे तौर पर जोड़कर देख रहे हैं। माना जा रहा है कि इस फेरबदल के जरिए सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट के प्रशासनिक संतुलन और न्यायिक व्यवस्था को पुनः सुदृढ़ करना चाहती है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जज संदीप मेहता की ओर से सीजीआई सूर्यकांत को राजस्थान उच्च न्यायालय के एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा की शिकायत के उन्हें राजस्थान हाई कोर्ट से ट्रांसफर करने की गुहार की थी और उनके स्थान पर दूसरे जज को लगाने की भी मांग की थी। इसके बाद सीजीआई का भी बयान सामने आया था कि मामले की उच्च स्तर पर जांच कर प्रकरण के सभी पहलुओं को देखने के बाद ही किसी तरह का निर्णय लिया जाएगा। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा आगामी 26 सितम्बर को रिटायर हो रहे हैं।

रातभर धरने पर डटी रही पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा

जोधपुर (हिंस)। जिले के मथानिया नगर पालिका चुनाव 2026 में नामांकन प्रक्रिया के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगे, जिसके बाद पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा रातभर रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) कार्यालय के बाहर धरने पर डटी रहीं। सोमवार आधी रात के बाद तक चले मैराथन बैठकों और वार्ता के दौर के बाद मंगलवार को सुबह आखिरकार प्रशासन और दिव्या मदेरणा के बीच सहमति बन गई। जानकारी के अनुसार प्रशासन ने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए स्थानीय थानाधिकारी और आरओ की भूमिका की जांच कराने तथा मथानिया और तिंवरी में अतिरिक्त पर्यवेक्षक तैनात करने का लिखित आश्वासन दिया है। विवाद की मुख्य वजह नामांकन के आखिरी दिन समय सीमा समाप्त होने के बाद कार्यालय के भीतर लोगों को दी गई एंट्री को माना जा रहा है। दिव्या मदेरणा ने आरोप लगाया कि मथानिया में नामांकन दाखिल करने की अंतिम समय सीमा दोपहर 3 बजे समाप्त होने के बावजूद क्षेत्रीय विधायक और भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को आरओ कार्यालय के भीतर जाने की अनुमति दी गई। मदेरणा ने आरोप लगाया कि स्थानीय थानाधिकारी खुद गेट पर जाकर भाजपा नेताओं को रिसीव करके अंदर लेकर आए, जबकि कार्यालय के भीतर पहले से मौजूद कांग्रेस प्रत्याशी के साथ दुर्व्यवहार करते हुए उन्हें जबरन बाहर निकाल दिया गया। प्रशासनिक कार्यशैली पर तीखे सवाल उठाते हुए पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा अपने समर्थकों के साथ रातभर मथानिया आरओ कार्यालय के बाहर ही जमीन पर बैठी रहीं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, जब दोपहर 3 बजे के बाद किसी भी व्यक्ति को नामांकन प्रक्रिया में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा सकती, तो फिर भाजपा के लोगों को अंदर जाने कैसे दिया गया? बंद गेट के बाद पुलिस अधिकारी उन्हें अंदर लेकर कैसे पहुंचे? क्या लोकतंत्र और संविधान में सत्ता पक्ष के लिए अलग और विपक्ष के लिए अलग नियम हैं? यह सिर्फ हमारी प्रत्याशी के साथ बदसलूकी नहीं, बल्कि चुनाव निष्पक्षता का सीधा अपमान है। रात करीब तीन बजे पुलिस और जिला प्रशासन के उच्च अधिकारियों की एक टीम धरना स्थल पर पहुंची और दिव्या मदेरणा से वार्ता की, लेकिन उस समय अधिकारियों के रुख से असंतोष जताते हुए मदेरणा ने धरना समाप्त करने से इनकार कर दिया। मंगलवार सुबह प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दोबारा उच्च स्तरीय बैठक हुई, जसमें मदेरणा द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर गंभीर मंथन किया गया। वार्ता के बाद प्रशासन मुख्य बिंदुओं पर सहमत हुआ जिसमें विवादित थानाधिकारी और रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराने पर सहमति बनी। वहीं निकाय चुनाव के दौरान पुलिस और प्रशासन का कोई भी अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं रहेगा।

हरियाणा में सड़क हादसे में उप्र के छह श्रद्धालुओं की मौत, मुख्यमंत्री योगी ने जताया दुख

मैनपुरी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से खाटूश्याम और वृंदावन दर्शन करने गए श्रद्धालुओं से भरा मैक्स पिकअप वाहन हरियाणा के पलवल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पिकअप सवार छह श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 14 श्रद्धालु घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख जताया और हरियाणा सरकार से घायलों का समुचित इलाज के लिए बात की। उन्होंने अधिकारियों को मृतकों के शव उनके परिजनों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए हैं। मैनपुरी के किशनी से श्रद्धालुओं का जत्था मैक्स पिकअप वाहन में सवार होकर धार्मिक यात्रा पर निकला था। सोमवार शाम को राजस्थान के खाटू श्याम और सालासर बालाजी मंदिर में दर्शन करने के बाद सभी वृंदावन के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान मंगलवार सुबह पलवल में केएमपी एक्सप्रेसवे पर इनका वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। दुर्घटना में पिकअप में सवार मैनपुरी के विजय सिंह, राजकुमार, रेशमा देवी, कमला देवी, सुधा और महेश की मौत हो गई। वहीं, सुनील, श्वेता यादव, बीरेश, उमेद, विनोद कुमार, सरला, रूबी, रामसेवक, रवि, वाणी, वीनू, तन्नू, रेखा और गोरा देवी सहित 14 लोग घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार घायलों को पलवल में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों के शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जीडीपी के आंकड़ों ने विपक्ष के नकारात्मक नैरेटिव की पोल खोल दी : सुरेश रूंगटा

पटना (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश रूंगटा ने कहा कि वित्त वर्ष-2026-27 की पहली तिमाही में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा है, जो पूरे विश्व में सबसे उच्चतम स्तर पर है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक आकड़ा नहीं, बल्कि भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद और तेज विकास की साफ तस्वीर है। जब पूरा विश्व वैश्विक मंदी और ईरान अमेरिका युद्ध के कारण ऊर्जा संकट से त्राहिमाम कर रहा है। उस वक्त भी भारत की अर्थव्यवस्था न सिर्फ तेजी से आगे बढ़ रही है; बल्कि शीर्ष पर है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बार-बार भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर देश में निराशा का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को डेड तक बताने का दावा किया था। अगर भारत की अर्थव्यवस्था मृत है तो 7.8 प्रतिशत की यह वृद्धि कहा से आ गई और यह किस बात का प्रमाण है? उन्होंने कहा कि देश की जनता जमीनी हकीकत को समझती हैं एवं धरातल पर होने वाले विकास कार्यों को देख रही है। विश्व के सभी देशों ने भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत के कारण इसकी श्रेष्ठता को स्वीकार किया है। विपक्ष को देश की उपलब्धियों पर ओछी राजनीति करने के बजाए तथ्यों को स्वीकार कर विकास पर गर्व करना चाहिए। देश की आर्थिक प्रगति को नकारना करोड़ों भारतीय के परिश्रम को अपमानित करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विकास यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है। भारत न तो रूका है, न झुका है और न ही उसकी अर्थव्यवस्था मृत हुई है। देश लगातार आगे बढ़ रहा है तथा 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष राजनीतिक चश्मा उतारकर देखें तभी उसे जमीनी सच्चाई दिखाई देगी और वे देश की आर्थिक प्रगति से रूबरू हो पाएंगे।

पंजाब विधानसभा स्पीकर का कबूलनामा चिट्टा खत्म करने की गारंटी पूरी नहीं कर सके

कोटकपूरा (हिंस)। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कोटकपूरा में लोक मिलनी कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक तौर पर स्वीकार किया कि आम आदमी पार्टी सरकार राज्य से चिट्टा खत्म करने की अपनी गारंटी पूरी नहीं कर सकी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कई चुनावी वादे पूरे किए हैं, लेकिन सिंथेटिक नशे यानी चिट्टे की समस्या अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। संधवां ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने महिलाओं और परिवारों के बीच अपनी बात रखते हुए इस बात को स्वीकार किया कि सरकार अपनी उस गारंटी को पूरा नहीं कर सकी, जिसमें राज्य से चिट्टा खत्म करने का भरोसा दिया गया था। हालांकि, विधानसभा स्पीकर ने यह भी दावा किया कि मौजूदा सरकार नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के विपरीत अब कोई स्थानीय राजनीतिक नेता, विधायक, मंत्री या मुख्यमंत्री नशा तस्करों को संरक्षण नहीं दे रहा है। संधवां ने नशे के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए एक विवादित प्रस्ताव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आदतन नशा तस्करी करने वाले आरोपितों की जमानत प्रक्रिया को मुश्किल बनाने के लिए कदम उठाने की योजना है। इसके तहत प्रमुख शहरों के चौराहों पर ऐसे लोगों के नाम सार्वजनिक करने का प्रस्ताव रखा गया है, जो अदालत में गिरफ्तार नशा तस्करों की जमानत या जमानती बनने के लिए आगे आते हैं। उन्होंने कहा कि जब पुलिस नशा बेचने वालों को गिरफ्तार करती है, तो कई बार उनके परिवार और रिश्तेदार यह कहकर उनकी रिहाई की मांग करते हैं कि आरोपी केवल नशे का आदी है। संधवां ने परिवारों से अपील की कि वे नशे के कारोबार में शामिल लोगों को कानूनी राहत दिलाने के बजाय उनके खिलाफ कार्रवाई में सहयोग करें। विधानसभा स्पीकर ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस कार्रवाई के जरिए नहीं जीती जा सकती। इसके लिए समाज और परिवारों की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों पर ध्यान देने और उन्हें आध्यात्मिक तथा सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने की अपील की, ताकि वे नशे की गिरफ्त में आने से बच सकें। संधवां के इस बयान के बाद विपक्ष ने भी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता और जिला अध्यक्ष बब्बू बराड़ ने कहा कि विधानसभा स्पीकर का सार्वजनिक तौर पर सरकार की नशा विरोधी मुहिम की कमी स्वीकार करना इस अभियान की जमीनी हकीकत को सामने लाता है। उन्होंने इसे सरकार के दावों और वास्तविक स्थिति के बीच अंतर का संकेत बताया।

जोधपुर फैशन फेस्टिवल में बिखरा ग्लैमर का जलवा

जोधपुर (हिंस)। सिद्धार्थ हेरिटेज क्लब में आयोजित जोधपुर फैशन फेस्टिवल 2026 में फैशन, ग्लैमर, कला और प्रतिभा का शानदार संगम देखने को मिला। मीरा प्रोडक्शंस एवं एचपीसीएल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस फैशन आयोजन में 50 से अधिक मॉडल्स ने रैंप पर आत्मविश्वास और हुनर का प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में मिसेज एवं मिस टीज 2026 प्रतियोगिता भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। मिसेज वर्ग में 11 तथा मिस वर्ग में 11 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। फेस्टिवल में छह डिजाइनर्स ने अपने आकर्षक फैशन एवं आभूषण संग्रह प्रस्तुत किए। इनमें डीपी क्रिएशन की डिजाइनर डिंपल सोलंकी, गोरनाशी बुटीक की सुमन जैन, चंडीगढ़ की आरजे फैशन, रिया कलेक्शन की आभूषण डिजाइनर रिया पंवार, चामुंडा बुटीक की बाबिता तथा गाजबण बुटीक की अंजली परिहार शामिल रहीं। डिजाइनर्स के नवीनतम संग्रह ने रैंप पर फैशन के विभिन्न रंगों और रचनात्मकता को जीवंत कर दिया। मॉडल्स ने आकर्षक परिधानों और आभूषणों को शानदार अंदाज में प्रस्तुत किया। पारंपरिक भारतीय परिधानों के साथ आधुनिक फैशन और राजस्थानी संस्कृति की झलक दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रही। मॉडल्स के आकर्षक मेकअप और केश सज्जा की जिम्मेदारी गीतांजलि सैलून की टीम ने संभाली।

आदिवासी परंपराओं में छिपे पर्यावरणीय समाधानों की तलाश कर रहा आईआईटी जोधपुर

जनजातीय खगोल ज्ञान, पारंपरिक कृषि और सामुदायिक संरक्षण का अध्ययन कर टिकाऊ विकास से जोड़ने का प्रयास

जोधपुर (हिंस)। भारतीय आदिवासी और ग्रामीण समुदायों ने पीढ़ियों से प्रकृति के साथ अपने गहरे संबंध के आधार पर आकाश, तारों, ऋतुओं, खेती, पौधों और प्राकृतिक संसाधनों को समझने की विशिष्ट प्रणालियां विकसित की हैं। अब इन पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और ग्रामीण आजीविका जैसी वर्तमान चुनौतियों के संभावित समाधान के रूप में भी देखा जा रहा है। जोधपुर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स के सहायक प्रोफेसर डॉ. भास्कर कुमार काकती देश के विभिन्न हिस्सों में जनजातीय समुदायों और राजस्थान के ग्रामीण समुदायों के साथ मिलकर उनके पारंपरिक ज्ञान का अध्ययन कर रहे हैं। शोध का उद्देश्य इस ज्ञान को दर्ज करने के साथ उसके वैज्ञानिक एवं पर्यावरणीय महत्व को समझना तथा पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास में इसके उपयोग की संभावनाएं तलाशना है। डॉ. काकती के अनुसार पारंपरिक ज्ञान केवल अतीत की जानकारी नहीं है, बल्कि प्रकृति के साथ पीढ़ियों के गहरे जुड़ाव से विकसित अनुभव और पद्धतियां हैं। शोध के माध्यम से यह समझने का प्रयास किया जा रहा है कि वर्तमान पर्यावरणीय और आजीविका संबंधी चुनौतियों से निपटने में इनका किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है। शोध का एक महत्वपूर्ण हिस्सा जनजातीय खगोल ज्ञान है। इसके तहत यह अध्ययन किया जा रहा है कि विभिन्न जनजातीय समुदाय आकाश, तारों, ऋतुओं और प्रकृति के चक्रों को किस प्रकार देखते और समझते हैं। पारंपरिक अवलोकनों की तुलना भारतीय ज्ञान प्रणाली से भी की जा रही है। इसके तहत विभिन्न जनजातीय समुदायों में प्रचलित खगोलीय ज्ञान का शब्दकोश तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य इस ज्ञान को संरक्षित करने के साथ आधुनिक शोध के संदर्भ में इसकी उपयोगिता को समझना है। शोध का दूसरा प्रमुख क्षेत्र राजस्थान में प्रचलित पारंपरिक कृषि पद्धतियां और उनसे जुड़ी मान्यताएं एवं परंपराएं हैं। अध्ययन में यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि खेती और प्रकृति से जुड़ी ये परंपराएं जैव विविधता के संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन में किस प्रकार योगदान दे सकती हैं। इस दौरान आध्यात्मिक पारिस्थितिकी की अवधारणा का भी अध्ययन किया जा रहा है। इसके माध्यम से यह समझने का प्रयास है कि प्रकृति के साथ लोगों का सांस्कृतिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक संबंध उनके पर्यावरण संबंधी व्यवहार को किस प्रकार प्रभावित करता है। शोध केवल पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इन पद्धतियों से वास्तविक पर्यावरणीय लाभ हासिल करने की संभावनाओं पर भी काम किया जा रहा है। इसका उदाहरण राजस्थान के नांदिया कलां गांव की खराब हो चुकी सामुदायिक भूमि पर विकसित की गई नक्षत्र वाटिका है। इस पहल में पारंपरिक ज्ञान, स्थानीय समुदाय की भागीदारी और आधुनिक पर्यावरणीय पुनर्स्थापन के प्रयासों को एक साथ जोड़ा गया। इससे जैव विविधता को पुनर्जीवित करने, औषधीय पौधों के संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने में मदद मिली। डॉ. काकती ने बताया कि नांदिया कलां में हुए कार्य से यह स्पष्ट हुआ कि जब स्थानीय समुदाय संरक्षण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनते हैं, तो संरक्षण अधिक प्रभावी और सार्थक होता है। पारंपरिक ज्ञान, सामुदायिक स्वामित्व और वैज्ञानिक दृष्टिकोण मिलकर कमजोर हो चुके पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस को लेकर अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की बैठक, डीजे पर रहेगा प्रतिबंध

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी से प्रत्येक वर्ष निकलने वाले ऐतिहासिक महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस को लेकर एसडीएम अभय कुमार तिवारी की अध्यक्षता में अनुमंडल कार्यालय स्थित सभागार में अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई। जिसमें प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों और शहर के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। सौ वर्ष से अधिक समय से निकलने वाले महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस में आपसी सौहार्द्र और भाईचारा बनाए रखने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में एसडीएम अभय कुमार तिवारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस में डीजे पर प्रतिबंध रहेगा और किसी भी अखाड़े में डीजे नहीं रहेगा। बावजूद इसके डीजे लेकर आने वाले अखाड़ों पर कार्रवाई के साथ डीजे जब्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जहां भी बिजली के तार लटके हुए अवस्था में हैं, उसे दुरुस्त कर ले। साथ नगर निकाय के कार्यपालक पदाधिकारी समेत बीडीओ और सीओ को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले अखाड़ों के लिए सड़क में बने गड्ढे को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। वहीं सभी थानाध्यक्षों को असामाजिक तत्वों की शिनाख्त कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने और विधि व्यवस्था संधारण को बनाए रखने के लिए हरसंभव उपाय बरतने का निर्देश दिया गया है। एसडीएम ने कहा कि महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस को लेकर पर्याप्त मात्रा में पुलिस अधिकारी और बलों के साथ मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति रहेगी। जुलूस में सुरक्षा के पुख्ता व्यवस्था रहने की बात एसडीएम ने कही। बैठक में एसडीएम के अलावे एसडीपीओ, डीसीएलआर, बीडीओ, सीओ, नगर निकाय के ईओ, अग्निशमन पदाधिकारी, पीएचसी प्रभारी, स्टेशन मास्टर, मुख्य पार्षद वीणा देवी, उप मुख्य पार्षद नूतन भारती सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट जारी, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की बात करें तो ये चमकीली धातु 1,350 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई है।

भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,56,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।चांदी के भाव में कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी शुरुआती कारोबार में 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,56,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,56,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

जोमैटो ने प्लेटफार्म से हटाए कृत्रिम डेरी उत्पाद, एफएसएसएआई की कार्रवाई के बाद कंपनी ने उठाया कदम

नई दिल्ली। आनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफार्म जोमैटो ने अपने प्लेटफार्म पर सूचीबद्ध रेस्टोरेंट्स द्वारा एनालाग (कृत्रिम) डेरी उत्पादों की बिक्री पर सख्त नीति अपनाने की घोषणा की है। कंपनी ने उन सभी व्यंजनों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है, जिनमें एनालाग डेरी उत्पादों का उपयोग होने की बात रेस्टोरेंट्स ने घोषित की थी। यह महत्वपूर्ण कदम भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा महाराष्ट्र में की गई कार्रवाई के बाद उठाया गया है, जिसने नकली डेरी उत्पादों की निगरानी और परीक्षण प्रक्रिया को मजबूत करने का भी निर्देश दिया था, जिसके तहत कई भोजनालयों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। एनालाग डेरी उत्पाद मुख्य रूप से पनीर, घी, खोया और मक्खन जैसे पारंपरिक डेरी उत्पादों के कृत्रिम विकल्प होते हैं, जिन्हें असली सामग्री के बजाय सस्ते पदार्थों से तैयार किया जाता है। जोमैटो ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई पारदर्शिता और खाद्य गुणवत्ता के प्रति उसके गंभीर रुख को दर्शाती है। कंपनी ने कहा कि उल्लंघन पाए जाने पर किसी भी उत्पाद को सूची से हटाने का अधिकार उसके पास सुरक्षित है। जोमैटो ने अपने रेस्टोरेंट साझेदारों को तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए हैं। उन्हें केवल प्राकृतिक डेरी उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने, मेन्यू से एनालाग डेरी उत्पादों वाली वस्तुओं को हटाने और आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्रदान किए गए उत्पाद लेबल व सामग्री घोषणाओं की गहन समीक्षा करने को कहा गया है।

ई-वाणिज्यिक वाहन निर्माता मुश्किल में, पीएम ई-ड्राइव की स्थानीयकरण शर्तों पर मांगी मोहलत

मुंबई। इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन (ई-सीवी) बनाने वाली कंपनियां प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना के तहत स्थानीय विनिर्माण की जरूरतों को पूरा करने में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही हैं। कड़े नियमों के बीच, उद्योग ने स्थानीय स्तर पर ट्रैक्शन मोटर और मोटर नियंत्रण प्रणाली के उत्पादन की समय-सीमा में सात महीने की बढ़ोतरी की मांग की है। इसकी मुख्य वजह चीन द्वारा दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध हैं, जिसने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर दिया है। सोसाइटी आफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) ने भारी उद्योग मंत्रालय से 1 सितंबर, 2026 से लागू होने वाली स्थानीयकरण की समय-सीमा को 1 अप्रैल, 2027 तक बढ़ाने का आग्रह किया है। सायम ने अपने पत्र में डिस्प्रोसियम और टर्बियम जैसे दुर्लभ खनिज तत्वों पर चीन के निर्यात नियंत्रण को मुख्य कारण बताया, जो स्थायी मैग्नेट की आपूर्ति में बाधा डाल रहे हैं। ये मैग्नेट इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों में इस्तेमाल होने वाले ट्रैक्शन मोटर के लिए महत्वपूर्ण हैं। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि उद्योग के इस अनुरोध पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। पीएम ई-ड्राइव योजना के चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी) के तहत, ट्रैक्शन मोटर के मुख्य पुर्जों का भारत में ही विनिर्माण अनिवार्य है। सरकार ने पहले इन नियमों को सितंबर 2025 से लागू करने की योजना बनाई थी, लेकिन उद्योग की प्रतिक्रिया के बाद इसे दो बार बढ़ाया जा चुका है, अंतिम समय-सीमा 1 सितंबर, 2026 निर्धारित की गई थी। उद्योग अब भी आपूर्ति संबंधी अनिश्चितता से जूझ रहा है।

पशुधन क्षेत्र की सुस्ती से कृषि जीवीए वृद्धि दर धीमी, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की वृद्धि पहली तिमाही में घटी, पशुपालन पर मौसम का असर पड़ा भारी

मुंबई। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों की सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) वृद्धि दर में गिरावट दर्ज की गई है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 4.4 प्रतिशत से घटकर 3.6 प्रतिशत पर आ गई है, जो कृषि क्षेत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत है। विशेषज्ञों का कहना है कि कृषि जीवीए में आई यह गिरावट मुख्य रूप से पशुपालन और पशुधन क्षेत्रों में कम उत्पादन के कारण हुई है। दरअसल, अप्रैल से जून 2026 के दौरान देश के कई हिस्सों में आई बाढ़ और अत्यधिक गर्मी ने पशुधन को बुरी तरह प्रभावित किया था, जिससे उत्पादन प्रभावित हुआ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- 7.8 फीसदी जीडीपी वृद्धि बेहद उत्साहजनक

विनिर्माण, सुधार और विदेशी निवेश ने बढ़ाया भरोसा

नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति पर गहरा संतोष व्यक्त किया है, खासकर वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में हासिल 7.8 फीसदी की प्रभावशाली जीडीपी वृद्धि को रेखांकित करते हुए। उन्होंने इस उल्लेखनीय प्रगति को भारतीय नागरिकों की कठिन परिस्थितियों और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद की गई कड़ी मेहनत का परिणाम बताया। सीतारमण ने जानकारी दी कि इस अवधि में विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई और अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में सकारात्मक विकास देखा गया।

उन्होंने ईज आफ डूइंग बिजनेस में सुधार का श्रेय राज्यों के सहयोग को दिया, साथ ही सरकार द्वारा 1,000 से अधिक पुराने कानूनों को हटाने और लगभग 40,000 नियमों को सरल बनाने के प्रयासों का भी जिक्र किया। वित्त मंत्री ने एफसीएनआर जमा और विदेशी निवेश में वृद्धि को भारतीय बैंकिंग प्रणाली और अर्थव्यवस्था में बढ़ते भरोसे का स्पष्ट संकेत बताया। उन्होंने कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक दलों से अर्थव्यवस्था के सकारात्मक आंकड़ों को स्वीकार करने का आग्रह किया, यह कहते हुए कि राजनीतिक कारणों से भारतीय अर्थव्यवस्था की नकारात्मक तस्वीर पेश करना उचित नहीं है। सीतारमण ने स्वीकार किया कि कुछ क्षेत्रों में सुधार की गुंजाइश हो सकती है, लेकिन लगातार अच्छे आर्थिक आंकड़े भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाते हैं।

उन्होंने कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और उर्वरकों के आयात से जुड़ी चुनौतियों को भी स्वीकार किया, लेकिन जोर दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार खुद को लगातार ढाल रही है। उन्होंने आरबीआई के सकारात्मक आकलन का हवाला देते हुए विश्वास जताया कि सरकार हर चुनौती में भारत को लाभ की स्थिति में रखने के लिए काम करेगी। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर, वित्त मंत्री ने पोलैंड, कतर, दक्षिण कोरिया और रूस के साथ सफल द्विपक्षीय बैठकों की जानकारी दी।

वित्तीय संकट में ओला इलेक्ट्रिक को राहत, 95.8 करोड़ का पीएलआई प्रोत्साहन मिला, भारी उद्योग मंत्रालय ने वाहन पीएलआई योजना के तहत राशि को मंजूरी दी

नई दिल्ली। वित्तीय चुनौतियों से जूझ रही ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत लगभग 95.8 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण प्रोत्साहन मिला है। यह राशि कंपनी को अपने नकदी प्रवाह को सुधारने और परिचालन खर्चों को कम करने में सहायक सिद्ध होगी, क्योंकि इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी नकदी सृजन को अपनी मुख्य प्राथमिकता बना रही है। भारी उद्योग मंत्रालय ने वर्ष 2026-27 के लिए वाहनों और उनके पुर्जों के लिए पीएलआई योजना के तहत इस मांग प्रोत्साहन को मंजूरी दी है। यह रकम केंद्रीय नोडल एजेंसी आईएफसीआई के माध्यम से जारी की जाएगी। यह लगातार दूसरा मौका है जब ओला इलेक्ट्रिक इस प्रोत्साहन की पात्र बनी है; इससे पहले दिसंबर 2025 में 2024-25 के लिए लगभग 366.7 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली थी। यह नवीनतम भुगतान ऐसे समय में आया है जब ओला इलेक्ट्रिक को नकदी की सख्त जरूरत है। कंपनी के हालिया वित्तीय विवरणों से पता चलता है कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान समूह का परिचालन नकदी प्रवाह 215 करोड रुपये ऋणात्मक रहा, जबकि वित्त वर्ष 26 में यह घाटा 775 करोड़ रुपये था। कंपनी ने परिचालन नुकसान का बड़ा कारण बिक्री में उम्मीद से कम वृद्धि और सामग्री की बढ़ती लागत को बताया। हालांकि, ओला ने अपने वित्तीय विवरणों में विश्वास व्यक्त किया है कि वह उपलब्ध नकदी, भविष्य में आने वाली नकदी और क्रेडिट तक पहुंच के जरिये अपनी देनदारियों को पूरा करने में सक्षम होगी। पीएलआई प्रोत्साहन कंपनी को नई इक्विटी या ऋण की आवश्यकता के बिना अतिरिक्त नकदी प्रदान करेगा। अप्रैल-जून तिमाही में ओला ने 39,192 वाहन डिलीवर किए, जो पिछली तिमाही से 94 प्रतिशत अधिक थे, और समेकित सकल मार्जिन 30.5 प्रतिशत रहा।

महंगा हुआ 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल गैस सिलेंडर, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

सरकारी आयल मार्केटिंग कंपनियों ने महीने के पहले दिन ही एलपीजी गैस उपभोक्ताओं को झटका दे दिया। 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 9.50 रुपये प्रति सिलेंडर से लेकर 12 रुपये प्रति सिलेंडर तक की बढ़ोतरी कर दी गई।

हालांकि घरेलू उपयोग में आने वाले 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर (रसोई गैस) के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आयल मार्केटिंग कंपनी के अनुसार, कीमत में की गई बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 9.50 रुपये महंगा होकर 2,738 रुपये की जगह 2,747.50 रुपये के भाव पर मिलने लगा है। इसी तरह मुंबई में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 9.50 रुपये महंगा होकर 2,691.50 की जगह 2,701 रुपये के भाव पर मिल रहा है। कोलकाता में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 11.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। कोलकाता में से 19 किलोग्राम वाला एलपीजी गैस सिलेंडर 2,872.50 रुपये की जगह 2,884 रुपये के भाव पर मिल रहा है।

इसके अलावा चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर 10.50 रुपये महंगा होकर 2,906 रुपये की जगह 2,916.50 रुपये के स्तर पर आ गया है। दिल्ली से सटे एनसीआर रीजन की बात करें तो नोएडा में कमर्शियल गैस सिलेंडर 9.50 रुपये उछल कर 2,738 रुपये की जगह 2,747.50 रुपये की कीमत पर मिल रहा है, जबकि गुरुग्राम में 19 किलोग्राम वाला एलपीजी गैस सिलेंडर 9.50 रुपये महंगा होकर 2,755 रुपये की जगह 2,764.50 रुपये के भाव पर मिल रहा है। वहीं गाजियाबाद में 19 किलोग्राम वाला एलपीजी गैस सिलेंडर 9.50 रुपये महंगा होकर 2,738 रुपये की जगह 2,747.50 रुपये के भाव पर आ गया है।

गैस सिलेंडर के महंगा होने से रेस्टोरेंट, ढाबा या कैटरिंग सर्विस चलाने वाले कमर्शियल श्रेणी के उपभोक्ताओं पर बोझ पड़ेगा। एलपीजी गैस की कीमत में यह बढ़ोतरी सिर्फ कमर्शियल श्रेणी वाले सिलेंडर में ही की गई है। घरेलू उपयोग में आने वाले 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर (रसोई गैस) के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

एआई-171 हादसे का असर, भारत-ब्रिटेन रूट पर एयर इंडिया के यात्री घटे

नई दिल्ली। 12 जून 2025 को एआई-171 विमान हादसे के बाद भारत-ब्रिटेन मार्ग पर एयर इंडिया के यात्री यातायात में लगातार कमजोरी दर्ज हुई है। विमानन विश्लेषण कंपनी सिरियम के आंकड़ों के मुताबिक, हादसे के बाद एयर इंडिया की सीट क्षमता के मुकाबले यात्रियों की संख्या में अधिक तेजी से गिरावट आई, जबकि इसी मार्ग पर उड़ान भरने वाली अन्य विमान कंपनियों ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया। दुर्घटना की अंतिम जांच रिपोर्ट अभी लंबित है। हादसे के बाद के महीनों में एयर इंडिया के प्रदर्शन में स्पष्ट गिरावट देखी गई। जून 2025 में क्षमता वृद्धि के बावजूद यात्री वृद्धि धीमी रही। जुलाई से अक्टूबर तक, जहां क्षमता गिरी या स्थिर रही, यात्रियों की संख्या में 12 से 19 फीसदी की गिरावट आई। वहीं, ब्रिटिश एयरवेज और वर्जिन अटलांटिक जैसी अन्य कंपनियों की यात्री संख्या में 10 फीसदी से अधिक की लगातार वृद्धि देखी गई। एयर इंडिया को परिचालन संबंधी चुनौतियां भी बढ़ीं। मई 2025 में पाकिस्तान और फरवरी 2026 में पश्चिम एशिया के हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों से उसे ब्रिटेन जाने के लिए लंबे और महंगे वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़े।

आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न रिकार्ड 7.8 करोड़ के पार

नई दिल्ली

आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश में आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वालों की संख्या रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए 31 अगस्त तक 7.8 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं।

आयकर विभाग ने एक्स पर जारी पोस्ट में बताया कि 31 अगस्त, 2026 तक आकलन वर्ष 2026-27 के लिए रिकार्ड 7.8 करोड़ से ज्यादा आईटीआर फाइल किए गए हैं। इसमें 31 जुलाई की निर्धारित अंतिम तारीख तक दाखिल किए गए 5.9 करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न-1 और आयकर रिटर्न-2 भी शामिल हैं।

विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले आकलन वर्ष 2025-26 के लिए गैर-आडिट मामलों में रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 16 सितंबर, 2025 तक कुल 7.3 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए थे। विभाग ने लिखा है, हम टैक्स भरने वालों और पेशेवरों का समय पर नियमों का पालन करने के लिए तहे दिल से धन्यवाद करते हैं।

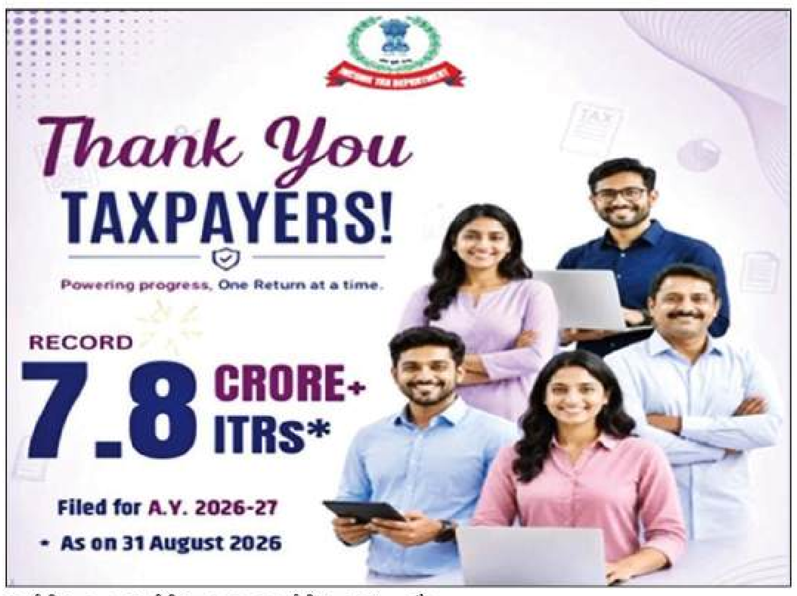

आयकर विभाग के अनुसार आकलन वर्ष 2026-27 के लिए उन करदाताओं के आयकर रिटर्न दाखिल करने की निर्धारित अंतिम तारीख 31 अगस्त, 2026 थी, जिनकी कारोबार या पेशे से आय है और जिनके खातों का आडिट नहीं होता है। यदि कोई करदाता गैर-आडिट श्रेणी में आता है, तो वह लागू आयकर रिटर्न (आईटीआर-3, आईटीआर-4, आईटीआर-5 या आईटीआर-7) दाखिल कर सकता है।

वहीं, आईटीआर-3 का उपयोग ऐसे व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों द्वारा किया जाता है, जिनकी आय किसी स्वामित्व वाले कारोबार या पेशे से होती है। आईटीआर-4 अपेक्षाकृत सरल रिटर्न फार्म है। यह छोटे एवं मध्यम करदाताओं के लिए उपयोग किया जाता है।

इसके अलावा आईटीआर-5 कंपनियों, सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी) और सहकारी समितियों जैसी संस्थाओं के लिए है। वहीं, आईटीआर-6 का उपयोग कंपनी कानून के तहत पंजीकृत कंपनियां करती हैं, जबकि आईटीआर-7 न्यास, परमार्थ एवं धार्मिक संस्थान दाखिल करते हैं।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण महंगाई बढ़ने की आशंका और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा मानिटरी पालिसी को और सख्त किए जाने के संकेत की वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.70 प्रतिशत टूट कर 53,185.90 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.33 प्रतिशत लुढ़क कर 7,686.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.12 प्रतिशत फिसल कर 26,370.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 53,243.56 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान दबाव का माहौल बना रहा। सीएसी इंडेक्स 0.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,334.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 311.88 अंक यानी 1.19 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 26,258.11 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। लंदन स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से एफटीएसई इंडेक्स में पिछले सत्र के दौरान कोई हलचल नहीं हुई।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 88 अंक यानी 0.36 प्रतिशत टूट कर 24,138 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.79 प्रतिशत फिसल कर 5,709.94 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 279.99 अंक यानी 1.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,287 पाइंट अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 720.30 अंक यानी 1.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ 46,848.77 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,579.94 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 66,348 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक उछाल के साथ 6,821.75 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 3,987.56 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 1,595.31 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कभी शूटिंग के बारे में नहीं जानती थीं मनीषा, अब एशियन गेम्स में देश के लिए पदक जीतने का है सपना

नई दिल्ली

भारतीय ट्रैप शूटर मनीषा कीर के लिए शूटिंग कभी उनके जीवन की योजना का हिस्सा नहीं थी। भोपाल के पास एक गांव के साधारण परिवार में पली-बढ़ी मनीषा को एक समय तक यह भी पता नहीं था कि शूटिंग नाम का कोई खेल होता है। उनकी बड़ी बहन सोना ने उन्हें इस खेल से परिचित कराया और यहीं से शुरू हुआ सफर उन्हें राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले गया।

अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए मनीषा ने नेशनल राइफल एसोसिएशन आफ इंडिया (एनआरएआई) के हवाले से कहा, मुझे तो पता ही नहीं था कि शूटिंग क्या होती है। मैं सिर्फ क्रिकेट, वालीबाल और फुटबाल जानती थी। मुझे शूटिंग के बारे में कुछ पता नहीं था और मैंने इसके बारे में कभी सोचा भी नहीं था।

मनीषा की बड़ी बहन सोना खुद भी खिलाड़ी थीं और उन्होंने ही मनीषा को शूटिंग की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, खेल से जुड़ना उनके लिए आसान नहीं था। सीमित आर्थिक संसाधनों वाले परिवार से आने के कारण उन्हें अपने खेल के लिए कई तरह के समझौते करने पड़े।

उन्होंने कहा, मेरा परिवार मुझे उस तरह से सहयोग करने में सक्षम नहीं था। वे मुझे वह सब कुछ नहीं दे सकते थे जो मैं चाहती थी। मेरे लिए यह बहुत मुश्किल था।

शूटिंग महंगा खेल है और प्रतियोगिताओं के लिए यात्रा के दौरान मनीषा को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। महज 18 साल की उम्र में उन्हें अपने खर्चों को लेकर कई बार मुश्किल फैसले लेने पड़ते थे।

मनीषा ने बताया, जब मैं प्रतियोगिताओं के लिए बाहर जाती थी तो मुझे काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। मैं अपनी पसंद का खाना नहीं खा पाती थी और मुझे कुछ पैसे बचाने पड़ते थे।

मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में शुरुआती दिनों में भी परिस्थितियां आसान नहीं थीं। नियमित कोच उपलब्ध नहीं होने के बावजूद मनीषा ने उपलब्ध संसाधनों में ही सीखना जारी रखा। उनकी बहन ने भी इस दौरान उनका मार्गदर्शन किया।

उन्होंने कहा, अकादमी में जो भी सुविधाएं थीं, वे हमारे लिए पर्याप्त थीं। मेरा मानना है कि आपके पास जो है, आपको उसी के साथ आगे बढ़ना होता है।

यही सोच आगे चलकर मनीषा की पहचान बनी। उन्होंने सुविधाओं की कमी पर ध्यान देने के बजाय उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम इस्तेमाल किया और धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई।

मनीषा ने 2018 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में ट्रैप स्पर्धा का रजत पदक जीता। इसके अलावा उन्होंने एशियन गेम्स में भारतीय महिला ट्रैप टीम के साथ रजत पदक भी हासिल किया।

हालांकि, मनीषा के लिए उनकी यात्रा केवल पदकों तक सीमित नहीं रही। शुरुआती संघर्षों ने उन्हें आत्मनिर्भरता और मानसिक मजबूती भी सिखाई।

उन्होंने कहा, कोई भी हमेशा हमारे साथ नहीं रह सकता। हमें खुद का भी ध्यान रखना होता है।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड में काउंटी खेलने पहुंचे तेज गेंदबाज आकिब नबी

लंदन। जम्मू-कश्मीर के उभरते हुए तेज गेंदबाज आकिब नबी अब इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते

दिखेंगे। आकिब का लक्ष्य काउंटी में बेहतर प्रदर्शन कर अक्टूबर में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करना है। इसी कारण वह काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन में खेलने यहां आये हैं। काउंटी में अकीब को तेज और उछाल भरी पिचों पर अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा । आकिब को हाल में हुए श्रीलंका दौरे में चोटिल जसप्रीत बुमराह की जगह पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था पर उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था। अकीब हो हालांकि इस दौरे से शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने क अनुभव मिला था। अब उन्हें इंग्लैंड के कठिन हालातों में खेलने के अनुभव से अपनी गेंदबाजी में विविधता लाने और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता को मजबूत करने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि आकिब ने सरे काउंटी क्लब के साथ तीन मैचों के लिए करार किया है। सरे को भी एक स्विंग गेंदबाज की तलाश थी और आकिब की क्षमताएं उन्हें सही लगीं। एक रिपोर्ट के अनुसार, आकिब यार्कशर के खिलाफ होने वाले मैच में खेल सकते हैं। यार्कशर के खिलाफ 2 से 5 सितंबर तक होने वाले मुकाबले के बाद, सरे को 8 से 11 सितंबर तक ससेक्स और फिर 15 से 18 सितंबर तक ग्लेमोर्गन का सामना करना है। इसन मैचें से उनके लिए अपनी फार्म और फिटनेस को जांचने का अवसर भी मिल जाएगा।

पांड्या नये लुक में दिखे, टीम में वापसी की संभावनाएं बढ़ीं

मुम्बई। पिछले काफी समय से फिट नहीं होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी

आलराउंडर हार्दिक पांड्या अब एक नये लुक में दिखे हैं। आमतौर पर स्टाइलिश हेयरकट और दाढ़ी में नजर आने वाले हार्दिक इस बार क्लीन शेव दिखे। जिसने उनके प्रशंसक हैरान रह गये। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब से गुजर रहे पांड्या की तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं। इस तस्वीरों में पांड्या के सिर पर बाल और चेहरे पर दाढ़ी नजर नहीं आ रही है पर मूंछें बरकरार हैं। ये अंदाज उनके पहले के सभी लुक्स से काफी अलग है, क्योंकि हार्दिक अक्सर अपने हेयरस्टाइल और हेयर कलर के साथ नये-नये प्रयोग करते रहे हैं। यह नया अंदाज उन्होंने कब अपनाया, यह तो स्पष्ट नहीं है, लेकिन हाल ही में उन्हें बेंगलुरु में ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच खेले जा रहे सेमीफाइनल मैच उनका ये अंदाज दिखा। देखते ही देखते उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई और प्रशंसा उनके इस नए रूप पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। गौरतलब है कि हार्दिक ने भारतीय टीम के लिए अपना पिछला मुकाबला बीते टी20 विश्व कप में खेला था। इसके बाद से ही वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए नजर आए थे हालांकि टूर्नामेंट के बीच में उन्हें कुछ शारीरिक दिक्कतें हुईं, जिसके कारण वह बीच में ही लीग से बाहर हो गए और फिर वापस नहीं लौट सके। तभी से वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के केन्द्र सीओई में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं।

यूएस ओपन 2026: कार्लोस अल्कराज ने दूसरे दौर में बनाई जगह, साफिलिन को सीधे सेटों में हराया

न्यूयार्क। गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करते हुए यूएस ओपन

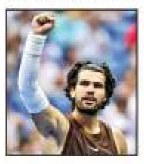

के दूसरे दौर में जगह बना ली। स्पेन के अल्कराज ने हले दौर में रूस के रोमन साफिलिन को लगातार तीन सेटों में 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। अल्कराज अप्रैल में कलाई की चोट के बाद पहली बार एकल मुकाबले में कोर्ट पर उतरे थे। पांच महीने तक प्रतिस्पर्धी मुकाबले से दूर रहने के बावजूद उन्होंने शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा और साफिलिन को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, मेरे लिए ये पांच महीने काफी मुश्किल रहे। मुझे इसकी कमी महसूस हुई। मुझे दर्शकों, माहौल, ऊर्जा और प्रतियोगिता की कमी महसूस हुई। मुझे हर चीज की कमी महसूस हुई। उन्होंने आगे कहा, मैं बेहद खुश हूं कि दोबारा प्रतिस्पर्धा करने में सफल रहा। मुझे यकीन है कि आने वाले मुकाबलों में मेरे टेनिस का स्तर और बेहतर होगा। पहले मैच में अपने प्रदर्शन से मैं काफी खुश हूं। जैनिक सिनर के चोटिल होने और नोवाक जोकोविच के पहले दौर में बाहर होने के बाद अल्कराज के खिताब बचाने की संभावनाएं और मजबूत मानी जा रही हैं। दूसरे दौर में उनका सामना पुर्तगाल के जैमे फारिया से होगा। त्सित्सिपास ने शीर्ष-10 खिलाड़ी आर्थर फिल्स को हराया एक और शीर्ष-10 खिलाड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो गया। सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीतकर यूएस ओपन पहुंचे आर्थर फिल्स को ग्रीस के स्टेफानोस त्सित्सिपास ने 4-6, 7-6(3), 6-1, 6-4 से शिकस्त दी। इस बार फ्लशिंग मेडोज में गैरवरीय त्सित्सिपास ने जीत के बाद भरोसा जताया कि वह फिर से विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान तक पहुंच सकते हैं।

मेसी के नाम हैं कई असाधारण रिकार्ड जिनका टूटना है असंभव

ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबालर लियोनेल मेसी ने अचानक ही अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास ले लिया। मेसी के संन्यास के साथ ही फुटबाल का एक युग समाप्त हो गया। अपने दो दशक से अधिक के करियर में मेसी ने कई उपलब्धियां हासिल करने के साथ ही ऐसे रिकार्ड बनाये हैं जिनके तोड़ना लगभग असंभव है। अपने असाधारण खेल से मेसी ने फुटबाल के इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कराया है।

मेसी ने अपने करियर में कई ऐसे मील के पत्थर स्थापित किए, जो उनकी अद्वितीय प्रतिभा और खेल पर उनके दबदबे को दिखाते हैं। उनके नाम तीन ऐसे रिकार्ड हैं जिनका टूटना कठिन ही नहीं नामुमकिन भी है। इसमें प्रतिष्ठित व्यक्तिगत अवार्ड, बैलन डीओर हैं। मेसी ने रिकार्ड 8 बार यह प्रतिष्ठित सम्मान अपने नाम किया है। यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसे फुटबाल के इतिहास में किसी अन्य खिलाड़ी ने हासिल नहीं किया है। ये संख्या उनकी निरंतरता, उत्कृष्टता और दशकों तक खेल पर उनके अद्भुत प्रभुत्व का प्रमाण है। वहीं दूसरा अविश्वसनीय रिकार्ड एक कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक गोल करने का है। साल 2012 में मेसी ने अपने क्लब बार्सिलोना और अपनी राष्ट्रीय टीम अर्जेंटीना दोनों के लिए खेलते हुए कुल 91 गोल किये थे। यह एक ऐसा आंकड़ा है जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी दर्ज किया गया है। विश्व स्तर पर इतने अधिक गोल करना उनकी असाधारण गोल-स्कोरिंग क्षमता का अनूठा उदाहरण है, जिसे भविष्य में दोहरा पाना किसी भी स्ट्राइकर के लिए बेहद कठिन होगा। इसके अलावा फुटबाल की सबसे प्रतिष्ठित लीगों में से एक, ला लीगा में भी मेसी के नाम कई बड़े रिकार्ड दर्ज हैं। उन्होंने इस लीग में सबसे अधिक 474 गोल किए हैं, जो उन्हें लीग के इतिहास का सबसे बड़ा गोलस्कोरर बनाता है। इसके साथ ही, वह ला लीगा में सर्वाधिक 192 गोल करने में सहायक रहने वाले खिलाड़ी भी हैं। ये आंकड़े दिखाते हैं कि मेसी केवल एक शानदार गोल स्कोरर ही नहीं थे, बल्कि एक असाधारण प्लेमेकर भी थे, जो अपनी टीम के साथियों के लिए लगातार गोल के अवसर बनाते थे। गौरतलब है कि मेसी का अंतरराष्ट्रीय करियर कुल 21 साल लंबा चला।

टेस्ट कप्तान के रूप में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड है स्मिथ के नाम

मुम्बई। टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी के साथ ही रनों के मामले में भी अव्वल रहने के रिकार्ड की बात करें तो प्रशंसकों के दिमाग में आस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिग या भारत के महेन्द्र सिंह धोनी के नाम आयेंगे पर ये सही नहीं है। कप्तानी के साथ ही सबसे अधिक रन दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने बनाये हैं। स्मिथ ने उन्होंने कप्तानी करते हुए 8,500 से अधिक रन बनाए हैं। उनके और दूसरे नंबर के खिलाड़ी के बीच 2000 रनों का अंतर है। स्मिथ ने अपने करियर में 109 टेस्ट मैचों में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करते हुए 193 पारियों में कुल8,659 रन बनाए। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 47.84 रहा, जिसमें 25 शतक और 36 अर्धशतक शामिल थे। कप्तान के तौर पर उनका सबसे अधिक स्कोर 277 रन रहा, जो उनकी असाधारण क्षमता का प्रमाण है। स्मिथ की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट में अपनी एक मजबूत पहचान बनाए रखी और वह टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक थे। वही इस सूची में दूसरे नंबर पर आस्ट्रेलिया के दो महान कप्तानों का नाम आता है। एलन बार्डर, जिन्होंने 93 टेस्ट मैचों में आस्ट्रेलिया की कमान संभाली, 6,623 रन बनाकर दूसरे स्थान पर हैं। उनका औसत 50.95 रहा और उन्होंने 15 शतक तथा 36 अर्धशतक लगाये। वहीं, रिकी पोंटिंग तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 77 टेस्ट में कप्तानी करते हुए 6,542 रन बनाए। पोंटिंग के नाम 19 शतक और 35 अर्धशतक दर्ज हैं, जबकि उनका औसत 51.51 और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 209 रन रहा। भारतीय कप्तानों में, विराट कोहली इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने 68 टेस्ट मैचों में कप्तानी करते हुए 113 पारियों में 5,864 रन बनाए। कोहली ने इस दौरान 20 शतक और 18 अर्धशतक लगाए। उनका बल्लेबाजी औसत 54.80 रहा, जो शीर्ष-5 बल्लेबाजों में सबसे अधिक है, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 254 रन रहा। इंग्लैंड के जो रूट इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में कप्तान रहते हुए 123 पारियों में 5,512 रन बटोरे। रूट के नाम 14 शतक और 28 अर्धशतक हैं, जबकि कप्तान के रूप में उनका बल्लेबाजी औसत 46.32 रहा। भारत के सबसे सफल कप्तानों में शामिल महेन्द्र सिंह धोनी इस आंकड़े में टाप-5 में जगह नहीं बना सके। धोनी इस सूची में 20वें नंबर पर हैं, जिन्होंने कप्तान के तौर पर 60 टेस्ट मैचों की 96 पारियों में 3,454 रन बनाए। उनके नाम कप्तान के रूप में 5 शतक और 24 अर्धशतक रहे, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 224 रन था।

यूएस ओपन 2026: इगा स्वियातेक ने वांग शियू को हराकर दूसरे दौर में बनाई जगह

न्यूयार्क

पोलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने यूएस ओपन 2026 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। 2022 की चैंपियन स्वियातेक ने चीन की वांग शियू को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

स्वियातेक ने आर्थर ऐश स्टेडियम के बजाय लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 88 मिनट में जीत दर्ज की। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले सेट में 3-1 की बढ़त हासिल करने के बाद एक और सर्विस ब्रेक के साथ सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी स्वियातेक ने दबाव बनाए रखा। आठवें गेम में सर्विस ब्रेक हासिल करने के बाद उन्होंने मुकाबला समाप्त कर दिया।

मैच के बाद स्वियातेक ने कहा, निश्चित रूप से यह मेरे लिए अच्छा दिन रहा। शुरुआत से ही मुझे काफी अच्छा महसूस हो रहा था। मेरे अंदर ऊर्जा और तीव्रता थी और मैं इसे आगे भी बनाए रखना चाहती हूं।

उन्होंने कहा कि वांग के गहरे और काफी टापस्पिन वाले शाट्स का सामना करने के लिए उन्हें अपनी ताकत का इस्तेमाल करना पड़ा।

स्वियातेक इस समय शानदार फार्म में हैं। उन्होंने हाल ही में टोरंटो ओपन का खिताब जीता था और सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। अब उनकी नजर अपने सातवें ग्रैंड स्लैम खिताब पर है। स्वियातेक ने कहा, कुछ अच्छे परिणामों के बाद ग्रैंड स्लैम में आना अच्छा है। मैंने इस चरण में काफी सुधार किया है और अब अपने खेल की छोटी-छोटी कमियों को बेहतर करने पर ध्यान दे रही हूं। दूसरे दौर में स्वियातेक का सामना नादिया पोडोरोस्का से होगा, जिन्होंने इससे पहले सिमोना वाल्टर्ट को हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

अनिसिमोवा भी दूसरे दौर में

अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने भी आसान जीत के साथ दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने हमवतन एशलिन क्रूगर को 6-1, 6-3 से हराया। अब अनिसिमोवा का सामना आस्ट्रिया की लिली टैगर से होगा।

एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा मैच हारने वाली टीम है श्रीलंका

मुम्बई । एकदिवसीय क्रिकेट में जहां कुछ टीमों ने एक से अधिक बार विश्व कप ट्राफियां जीतने के साथ ही कई और रिकार्ड भी बनाये हैं। वहीं कुछ टीमों को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। एकदिवसीय में दो टीमें ऐसे हैं जो 450 से अधिक मैच हारी हैं। इसमें श्रीलंकाई टीम सबसे ऊपर है। साल 1996 का विश्व कप जीतकर अपनी पहचान बनाने वाली श्रीलंकाई टीम ने कुल 945 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं। इनमें से उन्हें 436 मैचों में जीत मिली है। वहीं 461 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलाव उसके 6 मैच टाई रहे और 42 मैचों का कोई परिणाम नहीं आया। इस प्रकार श्रीलंका का जीत-हार का अनुपात 0.945 रहा, जिसमें उनकी बल्लेबाजी का औसत 29.63 और गेंदबाजी की इकानमी 4.95 दर्ज की गई। वहीं दो बार विश्वप कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम इस सूची में दूसरे स्थान पर है। भारतीय टीम ने अब तक सबसे ज्यादा 1081 एकदिवसीय मैच खेले हैं। इनमें उसे 575 मैचों में शानदार जीत मिली पर 452 बार हार भी झेलनी पड़ी है।

यूएस ओपन 2026 : स्टेन वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर हार के साथ खत्म

न्यूयार्क,

तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका का शानदार ग्रैंड स्लैम करियर यूएस ओपन 2026 के पहले दौर में हार के साथ समाप्त हो गया। 2016 के यूएस ओपन चैंपियन वावरिंका को इटली के माटेओ बेरेटिनी ने 7-6(4), 7-6(3), 6-0 से हराया। 38 वर्षीय वावरिंका ने पहले दो सेट में अपने से कम उम्र के बेरेटिनी को कड़ी चुनौती दी। दोनों सेट टाईब्रेक तक पहुंचे, लेकिन बेरेटिनी ने अहम मौकों पर संयम बनाए रखा और दोनों टाईब्रेक जीतकर मुकाबले में 2-0 की बढ़त बना ली।

पहले सेट में वावरिंका एक समय पीछे चल रहे थे, लेकिन बेरेटिनी के सेट के लिए सर्विस करने के दौरान उन्होंने शानदार वापसी की और उनकी सर्विस शून्य पर तोड़कर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद वावरिंका को सेट प्वाइंट भी मिला, लेकिन बेरेटिनी ने लगातार चार ड्यूस के बाद गेम बचाया और टाईब्रेक में तीन लगातार अंक हासिल कर पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में बारिश के कारण थोड़ी देर खेल रुका। वापसी के बाद वावरिंका ने बेरेटिनी की सर्विस तोड़कर बढ़त बनाई, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। स्विस खिलाड़ी को कुल सात ब्रेक प्वाइंट मिले, जिनमें तीन सेट प्वाइंट थे, लेकिन बेरेटिनी ने सभी महत्वपूर्ण मौकों पर वापसी करते हुए दूसरा टाईब्रेक भी जीत लिया।

तीसरे सेट में बेरेटिनी ने पूरी तरह दबदबा बना लिया और लगातार तीन बार वावरिंका की सर्विस तोड़ते हुए सेट 6-0 से जीत लिया। इसके साथ ही वावरिंका के शानदार ग्रैंड स्लैम करियर पर पर्दा गिर गया।

न्यूयार्क में वावरिंका की मौजूदगी इस बार खास रही। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को शुरुआत में वाइल्ड कार्ड के लिए आवेदन करने के बावजूद एकल मुख्य ड्रा में जगह नहीं मिली थी। इस फैसले पर प्रशंसकों ने नाराजगी जताई, जिसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी पैट्रिक किप्सन के चोट के कारण हटने पर वावरिंका को मुख्य ड्रा में शामिल किया गया।

2019 में यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंच चुके बेरेटिनी का दूसरे दौर में सामना अर्जेंटीना के मारियान नावेने से होगा। नावेने ने बड़ा उलटफेर करते हुए चौथी वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच को पांच सेट में हराया था।

क्वीन पार्क ओवल में ब्रावो, पोलार्ड और नरेन के नाम पर स्टैंड, टी20 के तीन दिग्गजों को मिला सम्मान

पोर्ट आफ स्पेन

त्रिनिदाद एवं टोबैगो के तीन महान आधुनिक क्रिकेटरों ड्वेन ब्रावो, कीरोन पोलार्ड और सुनील नरेन को उनके शानदार क्रिकेट करियर के लिए खास सम्मान दिया गया है। ऐतिहासिक क्वीन पार्क ओवल में उनके सम्मान में एक स्टैंड का नाम बदलकर ब्रावो, पोलार्ड एंड नरेन स्टैंड कर दिया गया है।

क्वीन पार्क क्रिकेट क्लब (क्यूपीसीसी) ने त्रिनिदाद एवं टोबैगो के 64वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस नए नाम वाले स्टैंड का अनावरण किया। इससे पहले यह स्टैंड ट्रिनी पास स्टैंड के नाम से जाना जाता था।

यह सम्मान तीनों खिलाड़ियों के अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में योगदान के साथ-साथ टी20 क्रिकेट के वैश्विक विकास में उनकी भूमिका को समर्पित है। तीनों खिलाड़ी त्रिनिदाद एवं टोबैगो क्रिकेट की पहचान और दुनिया भर में कैरेबियाई टी20 क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव के प्रमुख चेहरों में रहे हैं।

क्वीन पार्क ओवल में अब इन तीनों के नाम के साथ त्रिनिदाद एवं टोबैगो के कई दिग्गजों की विरासत भी जुड़ गई है। स्टेडियम में ब्रायन लारा पवेलियन, डेरिक मरे प्लेयर्स गैलरी, जेफ्री स्टालमेयर स्टैंड, लियरी कान्स्टेंटाइन स्टैंड, गेरी गोमेज मीडिया सेंटर और सिरिल एल. ड्यूप्रे स्टैंड भी हैं।

टी20 क्रिकेट में बनाया खास मुकाम - कीरोन पोलार्ड टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा मुकाबले खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह 700 से अधिक टी20 मैच खेल चुके हैं और उनके नाम 14,000 से अधिक रन तथा 330 से ज्यादा विकेट हैं। ड्वेन ब्रावो टी20 क्रिकेट के सबसे सफल आलराउंडरों में शामिल रहे हैं। उन्होंने अपने करियर में 631 टी20 विकेट लिए, जो उनके संन्यास के समय पुरुष टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक थे। उनके नाम करीब 7,000 रन भी हैं।

वहीं सुनील नरेन हाल ही में टी20 क्रिकेट में 650 विकेट पूरे करने वाले इतिहास के केवल दूसरे गेंदबाज बने। वह कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। तीनों खिलाड़ियों ने इंडियन प्रीमियर लीग, कैरेबियन प्रीमियर लीग और दुनिया की अन्य प्रमुख टी20 लीग में कई खिताब जीते हैं और अपनी अलग पहचान बनाई है।

एक ही टीम से फिर जुड़े तीनों दिग्गज - तीनों दिग्गज इस समय त्रिनिदाद एवं टोबैगो में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के 2026 कैरेबियन प्रीमियर लीग अभियान का हिस्सा हैं। पोलार्ड और नरेन टीम के लिए मैदान पर खेल रहे हैं, जबकि ब्रावो टीम के कोचिंग स्टाफ से जुड़े हैं। क्वीन पार्क क्रिकेट क्लब ने कहा कि स्टैंड का नामकरण केवल खिलाड़ियों के आंकड़ों और खिताबों का सम्मान नहीं है, बल्कि यह त्रिनिदाद एवं टोबैगो से निकलकर विश्व क्रिकेट के शीर्ष स्तर तक पहुंचने की उनकी यात्रा और नई पीढ़ी के क्रिकेटरों को दी गई प्रेरणा का भी सम्मान है।

रोशनी छीन सकता है आईलाइनर लगाने का गलत तरीका

आईलाइनर आंखों की खूबसूरती में चार चांद लगा देता है। छोटी आंखें भी आईलाइनर लगा लेने भरी से और खूबसूरत लगने लगती हैं। लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। लगत तरीके से आईलाइनर नगाने से न सिर्फ मेकअप खराब होता है, बल्कि आपकी आंखों को काफी नुकसान पंहुचा सकता है। आई एंड कांटेक्ट लेंस जर्नल में प्रकाशित एक नए शोध के अनुसार यदि लेश लाइन की रेखा के भीतर आईलाइनर लगाया जाए तो ये नजर को धुंधला कर सकता है।

मोटे होने का सपना हुआ साकार

कहते है मोटापा हर किसी को परेशान करता है, लेकिन इस महिला का सपना ही था की वे मोटी हो जाए, दरअसल इस महिला का सपना था की वे दुनिया की सबसे मोटी महिला बने, जिसके चलते इस महिला ने 721 किलो का वजन बढाकर खुद के लिए एक नई मुसीबत पैदा कर ली क्यूंकि इस महिला ने 10 साल तक हर दिन 13,000 कैलोरी खाकर खुद का वजन बड़ा लिया, जिससे इनका ब्रेकअप हो गया।

पास्ता खाने का शौक बना सकता है डिप्रेशन का मरीज

अगर आप पास्ता खाने के शौकीन हैं तो आपको सावधान होने की जरूरत है क्योंकि पास्ता खाने से आप डिप्रेशन के मरीज बन सकते है। जी हां, ज्यादा मात्रा में कार्बोहाइड्रेट आपके भीतर चिड़चिड़ापन और चिंता बढ़ा सकता है। एक रिसर्च के मुताबिक चावल और पास्ता जैसी खाने की चीजें आपको डिप्रेशन का शिकार बना सकती हैं, पर इस खतरे को अनाज और हरी सब्जियां कम कर सकती हैं।

क्या है गोलगप्पे की असलियत?

गोलगप्पे का नाम सुनते ही मुंह में पानी आने लगता है। चटाखेदार मसाला पानी, उबले आलू मटर से भरे गोल-गोल गोलगप्पों को बच्चे से लेकर बड़े सभी बहुत शौक से खाते हैं। चटपटे पानी से भरे इन गोलगप्पों को हर अवसर के मेन्यू में शामिल किया जाता है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसे ज्यादा मात्रा में लेने से आपके शरीर का पाचन तंत्र भी प्रभावित होता है यह सूजी से भी बनाएं जाते है और आटे से भी। ये जायकेदार गोलगप्पे भारत के कई राज्यों में खाए जाते हैं और इन्हें हर जगह अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है।

गोलगप्पे के अलग-अलग नाम

दिल्ली शहर मे बिना सूजी के गोलगप्पे खाए और बिना चटपटा पानी पिए खरीददारी अधूरी लगती है। वहीं यह मुंबई में पानी पुरी के नाम से जाने जाते है और कोलकाता मे फुचके। इसके अलावा गुजरात के कुछ हिस्सों में इन्हें पकौड़ी भी कहा जाता है। यहां इसमें सेव और प्याज भी डाली जाती है। इसका पानी पुदीना और हरी मिर्च के पेस्ट से तैयार किया जाता है जो गाढ़ा होता है। चटक मसाले वाला पानी गोलगप्पे में डाल कर खाने का मजा ही कुछ और है लेकिन इसको बनाने की विधि शायद आप नहीं जानते हों। लेकिन आज हम आपको इसके बनाने का तरीका बताने वाले हैं, जिसको देखकर शायद आप गोलगप्पे खाना छोड़ दें और आपके मुंह में जो गोलगप्पों को देखकर पानी आ जाता है वह भी आना बंद हो जाएगा।

गोलगप्पे बनाने का गलत तरीका

जी हां गोलगप्पों के पीछे छिपी एक ऐसी सच्चाई जो अगर आपको पता चल जाए तो शायद आप अगली बार गोल गप्पे खाने की हिम्मत न कर सकें। और ऐसा देखकर ये तो पक्का है कि आपके मुंह में पानी नही आएगा लेकिन हां उबकाई जरूर आ सकती है। तो देर किस बात की आइए जानें क्या है वह सच्चाई। दरअसल हर गली मोहल्ले में बिकने वाले इस स्वादिष्ट गोलगप्पे को जिस आटे से तैयार किया जाता है उसे गूंथने के लिए काफी समय और मेहनत लगती है। इसे हाथों से गूंथना थोड़ा मुश्किल होता है इसलिए इसे बनाने वाले कारीगर इसे जमीन पर रखकर पैरों से गूंथते हैं। साथ ही गोलगप्पों का लजीज स्वाद आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक हो सकता है। डीप फ्राई की हुई ये पूरियां आपके लिए पूरी तरह से हानिकारक हैं। क्योंकि इन्हें तलने के लिए बार-बार एक ही तेल का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा इसकी चटनी और पानी आपको पेट के लिए हानिकारक होते हैं। क्यों अब क्या कहना है आपका इन गोलगप्पों के बारे में! जी हां, आप इसे कितना भी साफ सुथरा मान लें लेकिन यह उतना साफ होता नहीं है। तो देर न करें बल्कि अपने परिवार के लोगों और दोस्तों के साथ भी इस जानकारी को शेयर करें, क्योंकि जिसे आप अच्छा समझ कर खा रहे हैं वह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

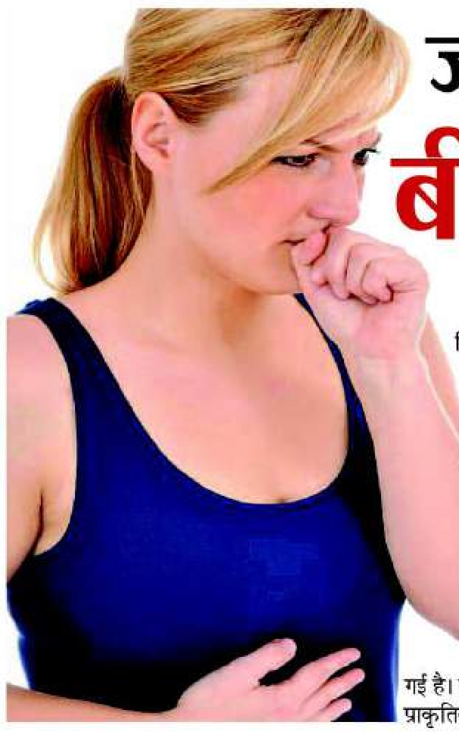

ज्यादा डकार आना गंभीर बीमारियों का संकेत

जिस प्रकार हम सामान्य रूप से हवा अंदर लेते हैं तो उसी तरह वो बाहर भी निकलती है, जिसे हम डकार कहते हैं। अगर डकार ज्याद आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। यह एक प्राकृतिक क्रिया है और आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि खाया गया भोजन हजम हो जाने का डकार एक संकेत होता है। वास्तविकता में ऐसा नहीं है, जब खाना खाते समय या उसके बाद बार-बार डकार आए इसका मतलब है कि खाने के साथ ज्यादा मात्रा में हवा निगल ली गई है। यह पेट से गैस के बाहर निकलने का एक प्राकृतिक तरीका है, और अगर पेट से हवा बाहर न निकले तो यह पेट से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकती है, जैसे पेट में तेज दर्द या पेट में अफारा आदि। लेकिन अगर डकार ज्याद आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। तो चलिए जानें कि कैसे ज्यादा डकार आना हो सकता है किसी गंभीर बीमारी का इशारा -

ऐरोफेजिया होने पर

अकसर ऐसा होता है कि हम खाना खाते समय ज्यादा हवा पेट में निगल जाते हैं और फिर डकारें आने लगती हैं। इस स्थिति को ही ऐरोफेजिया की स्थिति कहते हैं। कुछ खाते या पीते समय हवा पेट में चले जाने से अकसर ऐरोफेजिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे समस्या से बचने के लिए छोटे निवाले लें और मुंह बंद करके धीरे-धीरे खाने को चबा कर निगलें।

बदहजमी की समस्या

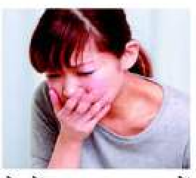

जिन लोगों को बहुत ज्यादा डकार आती हैं, उनमें से लगभग 30 प्रतिशत लोगों को कब्ज की समस्या होती है। इस समस्या के होने पर खाने में उपयुक्त मात्रा में फाइबर शामिल करें और ईसबगोल का भी सेवन करें। इसके अलावा हाज़मा खराब होना, जिसे हम बदहज़मी कहते हैं, की वजह से भी ज्यादा डकार आने की समस्या होती है। ऐसे में डकार आने के साथ पेट में दर्द भी हो सकता है।

डिप्रेशन का संकेत

तनाव कई समस्याओं का अकेला कराण होता है। तनाव या किसी बड़े भावनात्मक परिवर्तन का प्रभाव हमारे पेट पर भी पड़ता है। कई अध्ययनों में भी ये बात सामने आई है कि लगभग 65 प्रतिशत मामलों में मूड में त्वरित व बड़ा बदलाव या तनाव का बढ़ना ज्यादा डकार आने का कारण बनता है।

जीइआरडी

गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज या सीने में तेज जलन के कारण भी ज्यादा डकार आती हैं। इस बीमारी से आंतों में जलन होने लगती है और आहार नलिका (फूट पाईप)में एसिड बनने लगता है। इसमें बचाव के लिए खानपान और जीवनशैली में कई सकारात्मक व स्वस्थ बदलाव करने की जरूरत होती है।

पेप्टिक अल्सर

इरिट`बल बाउल सिंड्रोम होने पर रोगी को कब्ज, पेट दर्द, मरोड़ व दस्त आदि हो सकते हैं। साथ ही इस रोग का एक बड़ा लक्षण बहुत ज्यादा डकार आना भी हो सकता है। दुर्भाग्यवश इरिटेबल बाउल सिंड्रोम का कोई पक्का इलाज अभी तक मौजूद नहीं है। इस समस्या के अलावा पेप्टिक अल्सर के कारण भी ज्यादा डकारे आ सकती हैं। दरअसल जब आपके पाचन तंत्र को पेट की गैस से और एच.पायलोरी नामक बैक्टीरिया से क्षति पहुंचती है तो डकार आने लगती हैं।

अचानक कॉफी पीना बंद करने से बढ़ती है निगेटिविटी

इसमें कोई संदेह नहीं है कि कॉफी, डायबटीज, कैंसर और कई गंभीर बीमारियों को होने से बचाती है। कॉफी में एल्कॉयड होता है जिसकी वजह से ब्रेन सक्रिय रूप से कार्य करता है। एक कप कॉफी को सुबह-सुबह पीने के बाद आपको अच्छा महसूस होता होगा, फ्रैश लगता होगा। कई लोगों को दिन में कई बार या दो बार कॉफी पीने की आदत भी होती है। पर तब क्या होता है जब आप अचानक से कॉफी पीना बंद कर देती हैं या देते हैं, तब शरीर कैसे रिएक्ट करता है।

जब आप लम्बे समय तक कॉफी का सेवन करते आ रहे होते हैं और अचानक से उसे पीना छोड़ देते हैं, तो आपका शरीर एक असंतुलन महसूस करता है। इस वजह से उन दिनों आलस बना रहता है और दिन भर बोझिलता सी महसूस होती है। साथ ही व्यक्ति की प्रोडक्टिविटी भी कम हो जाती है। आप किसी प्रकार अपने दैनिक कार्यों को करने लग जाएंगे, लेकिन आपकी मानसिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ने लगेगा। आपको लगेगा कि अब आप पहले की तरह फास्ट तरीके से नहीं सोच पाते हैं। साथ ही आपको अपनी ऊर्जा में भी गिरावट महसूस होगी। बेहतर होगा कि आप उस समय मीठे फल अवश्य खाएं। ऐसे में एकदम कॉफी न छोड़ें। रात को सोते समय चाहें तो कॉफी पी लें। हर्बल टी भी सबसे अच्छा विकल्प है। इससे आपको रिलैक्स महसूस होगा और नींद भी अच्छी आएगी। साथ ही आप खुद को ऊर्जावान भी महसूस करेंगे।

जानें क्यों लगती है बार-बार भूख...

अपने मनपसंद खाने को देखकर किसी का भी मन ललचा सकता है। और कभी-कभी अगर ज्यादा खा भी लिया जाए तो कोई बात नहीं, लेकिन अगर यह आदत बन जाए तो फिर आपको बार-बार भूख लगती है जो आपके लिए अच्छा नहीं हैं।

मेडिकल भाषा में बार-बार भूख लगने को फूड एडिक्शन कहते हैं। रोजाना जरूरत से ज्यादा खाने को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। फूड एडिक्शन एक तरह का इटिंग डिसऑर्डर है। इसमें लोगो को बार-बार भूख लगती है। हालांकि ज्यादातर लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते, लेकिन इस पर अगर कंट्रोल न किया जाए, तो यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह भी साबित हो सकता है।

बिना भूख के खाना: बार-बार खाने की आदत होने पर व्यक्ति खाता ही चला जाता है। वह खाने पर पूरी तरह कंट्रोल खो बैठता है। बिना भूख के भी थोड़े-थोड़े समय के बाद वह खाना खाता ही रहता है। उसे भरा हुआ पेट अच्छा लगने लगता है। पहले का खाना थोड़ा सा डाइजेस्ट होते ही वह दोबारा खा लेता है। कई बार तो वह खाना डाइजेस्ट होने का इंतजार भी नही करता और दोबारा खा लेता है।

एनर्जी लेवल: फूड एडिक्शन की एक खास वजह न्यूरोबायलॉजिकल इम्बैलेंस है। एक बार इसका लेवल बॉडी में गिरता है, तो व्यक्ति को कमजोरी महसूस होती है। वह फिर से खाना शुरू कर देता और फिर उसे बॉडी में एनर्जी बनाए रखने के लिए हमेशा खाना पड़ता है।

हालांकि, बार-बार खाने वाला व्यक्ति अपनी इस आदत से गिल्ट महसूस करता रहता है, लेकिन सिचुएशन ऐसी बन जाती है कि वह चाहकर भी कुछ नहीं कर सकता।

वजन बढ़ना व मोटापा: फूड एडिक्शन से वजन बढ़ना व मोटापा होता है। वजन बढ़ने से कई और बीमारियां आपको जकड़ लेती है। जैसे शरीर की काम करने की क्षमता कम हो जाती है और आप जल्दी थकने लगते हैं।

ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना: वह न चाहते हुए भी कई चीजें ऐसी ज्यादा खा लेता है जिनके ज्यादा खाने से कोलेस्ट्रॉल का खतरा बढ़ जाता है और इससे दिल का दौरा, हृदयघात जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

विदेशी भाषा में खास कैरियर

लीक से हटकर करियर के बहुत सारे ऐसे विकल्प भी होते हैं, जहां अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा का ज्ञान फायदेमंद हो सकता है। अगर आपको नई भाषाएं सीखना पसंद हैं, तो आप विदेशी भाषाओं को सीखकर उनमें अपना करियर बना सकते हैं। आज भारत के विभिन्न देशों से बढ़ते व्यापारिक एवं पर्यटन संबंधों ने देश के युवाओं के लिए सुनहरे भविष्य का रास्ता खोल दिया है। वैश्विक परिदृश्य में लगातार भारत में विदेशियों की आवाजाही बढ़ी है। दिन-प्रतिदिन बढ़ते वैश्वीकरण के चलते भारत में विदेशों से बहुत काम आ रहा है। इसके लिए कंपनियों को ऐसे लोगों की जरूरत है, जिन्हें विदेशी भाषाओं का अच्छा ज्ञान हो। किसी भी भाषा का पुख्ता ज्ञान आपकी सफलता में सहायक सिद्ध हो सकता है। अब यह पुरानी बात हो गई कि जब अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में ही करियर बनाया जा सकता था। जर्मन, चाइनीज, स्पेनिश, फ्रेंच और अरबी भाषाओं की अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़ी मांग रहती है। किसी भी विदेशी भाषा का कोर्स करने के लिए किसी खास विषय या स्ट्रीम से जुड़े होने की बाध्यता नहीं है।

अवसरों का खजाना

इस क्षेत्र में कई तरह के अवसर उपलब्ध हैं, जिनमें टूअर आपरेटर ऑनलाइन विषय लेखक, तकनीकी ट्रांसलेटर, डिकोडर, इंटरप्रेटर एवं ट्रांसलेटर आते हैं। विदेशी भाषाओं में शैक्षिक योग्यता टूरिज्म, मनोरंजन, जनसंपर्क एवं अन्य जनसंचार माध्यम, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, एंबेसी, डिप्लोमेटिक सेवाएं, प्रकाशन और बीपीओ क्षेत्रों में करियर बनाने में महत्त्वपूर्ण साबित होती है। टूरिज्म एवं कॉल सेंटर ऐसे क्षेत्र हैं जहां विदेशी भाषा के कुशल ज्ञान ने करियर के नए आयाम विकसित किए हैं। सरकारी कामों में फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी के अलावा पश्तो, उज्बेक, ताजिक और पुर्तगाली जानने वालों की भी आजकल काफी मांग है। अनुवादक एवं दुभाषिए से संबंधित नौकरियों के अलावा सचिव, एग्जीक्यूटिव और जनसंपर्क में भी रोजगार की असीम संभावनाएं हैं।

कोर्स के लिए योग्यता

इस कोर्स के लिए 12वीं होना अनिवार्य है । अलग-अलग संस्थान के लिए सीमाएं अलग-अलग है। प्रवेश परीक्षा से लेकर किसी में कट ऑफ लिस्ट या फिर सीधे दाखिले का भी चयन है। कई छात्रों का मानना है कि अगर उनकी अंग्रेजी अच्छी है तभी वे इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं लेकिन ऐसा सोचना गलत है। अगर आप हिंदी भाषा में निपुण हैं तो भी आप विदेशी भाषा को सहजता से सीख सकते हैं। बस आपकी किसी भी एक भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है और आपकी बातचीत का अंदाज अच्छा होना चाहिए ।

काम के हिसाब से वेतन

इस क्षेत्र में वेतन कार्य के हिसाब से मिलता है। अगर आप शिक्षण के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं, तो 25 से 30 हजार तक मासिक वेतन मिलता है। ट्रांसलेटर को 100 से 150 रुपए प्रति पेज के हिसाब से मिलते हैं। इंटरप्रेटर को घंटों के हिसाब से मेहनताना मिलता है। सरकारी संस्थानों में इंटरप्रेटर को 20 हजार तक मासिक वेतन मिलता है। विदेशी भाषा में करियर बनाने का अलग ही आनंद और आकर्षण है। विदेशी भाषा जानने से आप उस देश की संस्कृति और रहन-सहन से भी परिचित होते हैं। विदेशी भाषा के ज्ञान द्वारा उस देश के बारे में जानने का अवसर मिलता है। और तो और आपके विदेश जाने के अवसर बढ़ जाते हैं। विदेशी भाषा को सीखने के बाद सबसे बड़ी खूबी यह है कि आप कभी काम की कमी महसूस नहीं करेंगे। कोई भी कंपनी आपको हाथोंहाथ काम देगी।

डिग्री के साथ संवाद क्षमता

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए डिग्री के साथ-साथ संवाद की बेहतर क्षमता का होना जरूरी है। इसके लिए भाषा और संस्कृति का ज्ञान आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कंपनियों के व्यवसाय का विस्तार होने से मांग बढ़ेगी। तकनीकी और फार्मास्यूटिकल कंपनियां, कार कंपनियां सभी जगह विदेशी भाषा के विशेषज्ञों की जरूरत पड़ रही है।

प्रमुख संस्थान

- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- जेएनयूए नई दिल्ली
- आगरा विश्वविद्यालय, आगरा
- बीएचयू, वाराणसी
- कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता
- पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
- उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा
- पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
- लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

तीन तरह के कोर्स

सर्टिफिकेट कोर्स	अवधि दो साल
डिप्लोमा कोर्स	अवधि दो साल
डिग्री कोर्स	अवधि तीन साल

- बहुत से संस्थानों में बेसिक लेवल और एडवांस्ड लेवल दोनों ही कोर्स करवाए जाते हैं।
- इनमें स्नातकोत्तर डिग्री भी ली जा सकती है।

किस भाषा का है चलन

यूं तो विदेशी भाषा में कई भाषाएं शामिल है, जिनमें जापानी, अरैबिक, चाइनीज, स्पेनिश आदि शामिल हैं लेकिन अधिक चलन फ्रेंच और जर्मन भाषा सीखने का है । कई संस्थान ऐसे भी हैं जो केवल फ्रेंच या जर्मन भाषा ही सिखाते हैं और आप यहां से डिप्लोमा से लेकर एडवांस डिप्लोमा, डिग्री और चाहें तो मास्टर्स भी कर सकते हैं। इन भाषाओं में कोर्स करने के बाद आपके सामने रोजगार का खुला आसमान होता है।

रेसिपी

मुह्हामर्रा

सामग्री

3/4 कप कटे हुए अखरोट, 1 टी-स्पून कटा हुआ लहसुन, 3/4 कप ताज़े ब्रेड क्रम्ब्स, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1 टेबल-स्पून अनार के दाने, 5 टेबल-स्पून जैतून का तेल, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए**ः हर्बड पीटा स्ट्रिप्स

विधि

सूखी लाल मिर्च को उपयुक्त मात्रा के गरम पानी में डालकर एक बाउल में रखें, ढक्कन से ढककर 15 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। अच्छी तरह छान लें। लाल मिर्च के साथ, सभी सामग्री को मिलाकर मिक्सर में पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। कम से कम 1 घंटे के लिए फ्रिज में रखकर, हर्बड पीटा स्ट्रिप्स् के साथ ठंडा परोसें।

नाचनी पनीर पॅनकेक

सामग्री

1 कप रागी/नाचनी का आटा, 1/2 कप कसा हुआ लो-फैट पनीर, 2 टेबल-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून तिल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1/4 कप कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1/2 टी-स्पून अदरक का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, **चुपड़ने और पकाने के लिए**ः 2 1/2 टी-स्पून तेल, **परोसने के लिए**ः हरी चटनी

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में लगभग 1 कप पानी के साथ अच्छी तरह मिला लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करे और द टी-सपून तेल से चुपड़ लें चम्मच भर घोल डालकर गोल घुमाते हुए 125 मिमी (5) व्यास के आकार का पॅनकेक बना लें। द टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**